राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार ,04 सितंबर–2021 वर्ष–4,अंक–223 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त खबरें

जेवर एयरपोर्ट के शिलान्यास की तैयारियां तेज

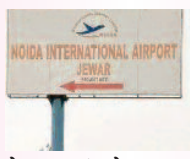

नोएडा। इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर का शिलान्यास बहुत जल्द होने वाला है। शासन स्तर पर इसकी तैयारी चल रही है। दो-चार दिन में शिलान्यास की तिथि घोषित की जा सकती है। जेवर एयरपोर्ट की साइट पर शिलापट लगाने के लिए स्थान तय कर लिया गया है। ऐसी जगह यह स्थान तय किया गया है ताकि उसे दोबारा शिफ्ट ना करना पड़े। इसकी आधारशिला रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आएंगे। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर की विकासकर्ता कंपनी यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (वाईआईपीएल) ने अपना कामकाज शुरू कर दिया है। एयरपोर्ट की साइट पर समतलीकरण का काम शुरू हो चुका है। नक्शा मिलान किया जा रहा है। इसके बाद चारदीवारी का निर्माण शुरू होगा। विकासकर्ता कंपनी ने निर्माण के लिए एजेंसियों का चयन किया है। उन्होंने काम शुरू कर दिया। जेवर एयरपोर्ट के शिलान्यास को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। शासन स्तर पर इसकी कवायद चल रही है। अगले दो-चार दिन में शिलान्यास की तिथि तय हो जाएगी। बहुत संभव है कि 17 सितंबर से पहले एयरपोर्ट की आधारशिला रखी जाए। इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस परियोजना की निगरानी कर रहे हैं। शिलान्यास वाले दिन यहां पर बड़ा कार्यक्रम होगा। जेवर एयरपोर्ट की साइट पर शिलापट लगाने का स्थान तय कर दिया गया है। शिलापट उस स्थान पर लगाया जाएगा ताकि उसे दोबारा शिफ्ट में ना करना पड़े। मास्टर प्लान को देखते हुए इसकी जगह तय की गई है।

दुश्मन की हर चाल पर होगी नजर

भारत का पहला न्यूक्लियर मिसाइल ट्रैकिंग जहाज आईएनएस- ध्रुव 10 सितंबर को होगा लॉन्च

नई दिल्ली। भारत को जल्द ही एक ऐसा खतरनाक हथियार मिलने वाला है, जिसके बाद समंदर में चीन और पाकिस्तान की हर हिमाकत का पहले से अधिक ताकत के साथ इंडियन नेवी मुंहतोड़ जवाब देगी। दुश्मन की न्यूक्लियर मिसाइलों को ट्रैक करने वाला भारत का पहला जहाज आईएनएस ध्रुव 10 सितंबर को लॉन्च किया जाएगा। उम्मीद की जा रही है कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल 10 सितंबर को विशाखापत्तनम में सैटेलाइट और बैलिस्टिक मिसाइलों को ट्रैक करने वाले भारत के पहले जहाज आईएनएस ध्रुव को तैनात करेंगे। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संगठन (एनटीआरओ) के सहयोग से हिंदुस्तान शिपयार्ड द्वारा निर्मित आईएनएस ध्रुव दुश्मन परमाणु मिसाइल को ट्रैक करने से लेकर दुश्मन के सैटेलाइट और आने वाली बैलेस्टिक मिसाइल का पता लगा लेने की क्षमता रखता है। यह माना जा रहा है कि आईएनएस ध्रुव के लॉन्च समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल करमबीर सिंह और एनटीआरओ के अध्यक्ष अनिल दासमाना डीआरडीओ और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मौजूद रहेंगे। परमाणु मिसाइल ट्रैकिंग जहाज को भारतीय नौसेना के कर्मियों द्वारा सामरिक बल कमान (एसएफसी) के साथ संचालित किया जाएगा। बता दें कि अब तक ऐसे जहाजों का संचालन केवल फ्रांस, अमेरिका, ब्रिटेन, रूस और चीन द्वारा किया जाता है। 10,000 टन का यह खतरनाक जहाज भारत की भविष्य की एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता के केंद्र में होगा, क्योंकि यह भारतीय शहरों और सैन्य प्रतिष्ठानों की ओर आने वाली दुश्मन की मिसाइलों के लिए एक प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली के रूप में कार्य करेगा और यह उस हमले को फेल करने की भी क्षमता रखता है। इतना ही नहीं, यह जहाज हिंद महासागर में भारत के समुद्री रक्षा घेरे को मजबूत करेगा और दुश्मनों से अलर्ट रखेगा। सबसे खास बात यह है कि यह ऐसे समय में चालू किया जा रहा है जब पूरी दुनिया में पानी के नीचे सशस्त्र और निगरानी ड्रोन का युग शुरू हो गया है। चीन और पाकिस्तान दोनों के पास परमाणु बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता और भारत के साथ सीमा विवाद होने की वजह से आईएनएस ध्रूव की महत्ता और बढ़ जाती है। चीन और पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच आईएनएस ध्रुव भारत की समुद्री सुरक्षा घेरा के लिए एक ताकत के रूप में कार्य करेगा और साथ ही जब वे उनका परीक्षण करेंगे तो विरोधी की बैलेस्टिक मिसाइल क्षमता को समझने की क्षमता में वृद्धि करेगा। आईएनएस ध्रुव डीआरडीओ द्वारा विकसित अत्याधुनिक सक्रिय स्कैन एरे रडार या एईएसए से लैस है, जिसे आज की दुनिया में काफी उन्नत और गेमचेंजर माना जाता है।

■ मुल्ला अब्दुल गनी बरादर होंगे तालिबान की सरकार के मुखिया

मुल्ला उमर का बेटा भी होगा तालिबान सरकार में शामिल

नई दिल्ली। अफगानिस्तान पर कब्जा जमाने के करीब 20 दिन बाद तालिबान अब सरकार बनाने की तैयारी में है। इस सरकार की लीडरशिप तालिबान के सह-संस्थापक मुल्ला अब्दुल गनी बरादर के हाथों में होगी। इसके अलावा तालिबान के मुखिया अखुंदजादा को संरक्षक या सुप्रीम लीडर जैसा कोई पद मिल सकता है।

मुल्ला बरादर तालिबान के कतर स्थित राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख रह चुके हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट की मानें तो तालिबान के संस्थापक मुल्ला उमर के बेटे मुल्ला मोहम्मद याकूब और शेर मोहम्मद अब्बाद स्तेनकजई तालिबान सरकार में वरिष्ठ पद संभालेंगे। तालिबान के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर रॉयटर्स को बताया, 'सभी शीर्ष नेता काबुल पहुंच गए हैं, जहां नई सरकार की घोषणा करने की तैयारी अंतिम चरण में है।' एक अन्य तालिबान सूत्र ने कहा कि तालिबान के सर्वोच्च धार्मिक नेता हैबतुल्लाह अखुनजादा इस्लामी नियमों के तहत शासन और धार्मिक मामलों पर ध्यान केंद्रित करेंगे। मुल्ला गनी बरादर को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए और पाकिस्तान ने साल 2010 में एक ऑपरेशन में गिरफ्तार किया था। इसके बाद बरादर 8 साल तक पाकिस्तान की जेल में रहे। 2018 में अमेरिकी दबाव के बाद पाकिस्तान ने उसे रिहा कर दिया। फिर बरादर को कतर स्थानांतरित कर दिया गया जहां बरादर दोहा में तालिबान के राजनीतिक कार्यालय के प्रमुख नियुक्त किए गए। यहां उन्होंने उस समझौते पर हस्ताक्षर किए जिसके कारण अमेरिकी सेना को अपने 20 साल के अभियान को वापस लेने का समझौता करना पड़ा।

घरेलू हिंसा मामलाः सिंगर यो-यो हनी सिंह हुए कोर्ट में पेश

नई दिल्ली। बॉलीवुड के जाने-माने सिंगर यो-यो हनी सिंह आज दिल्ली के तीस हजारी कोर्ट में पेश हुए। मालूम हो कि उनकी पत्नी ने उन पर घरेलू हिंसा का संगीन आरोप लगाया है जिसकी सुनवाई दिल्ली की अदालत में चल रही है और पिछली सुनवाई में बीमार होने के चलते वह अदालत में पेशे नहीं हो सके थे। खबर है कि तीस हजारी कोर्ट की जज, हनी सिंह और उनकी पत्नी की अपने चेंबर में काउंसलिंग कर रही हैं। वह दोनों से बात कर उनके बीच के विवाद को समझने और सुलझाने की कोशिश कर रही हैं। उनके वकील ने अदालत को आश्वासन दिलाया था कि हनी सिंह की तबीयत ठीक नहीं है जिसके चलते वह अगली सुनवाई में जरूर पेश होंगे। इस पर अदालत ने हनी सिंह की मेडिकल व इनकम टैक्स रिपोर्ट मांगी थी। अदालत ने स्पष्ट किया कि कोई भी कानून से ऊपर नहीं है। अदालत ने हनी सिंह को 3 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। वहीं हनी सिंह की पत्नी शालिनी सुनवाई के दौरान भावुक हो गईं व उनकी आंखों से आंसू आने लगे। हनी सिंह की पत्नी शालिनी तलवार द्वारा दायर घरेलू हिंसा के मामले की सुनवाई मैट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट तानिया सिंह कर रही हैं। सुनवाई के दौरान हनी सिंह अदालत में पेश नहीं हुए और उनके वकील ने चिकित्सा आधार पर हनी सिंह की व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट मांगी थी।

अलग अंदाज में दिखे राजनाथ सिंह, भोजपुरी में दिया भाषण

खुद को गुजरात का बेटा बताते हुए कहा- मेरी मां का नाम गुजराती देवी

नई दिल्ली। केंद्रीय रक्षा मंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह गुजरात दौरे पर पहुंचे। जहां उनका अलग ही अंदाज देखने को मिला। राजनाथ सिंह ने भोजपुरी में भाषण दिया वहीं खुद को गुजरात का बेटा भी बताया। जहां उन्होंने विपक्षी दलों को निशाने पर लेते हुए कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी ने अनावश्यक राफेल का मुद्दा बनाया। नतीजा क्या हुआ? राफेल फ्रांस में तैयार हो गए। राफेल भारत में लैंड भी कर गए मगर राहुल जी अभी भी टेक ऑफ नही कर पाए है। राजनाथ सिंह ने कहा कि बीजेपी लोगों के स्वाभिमान का पूरा ख्याल रखती है। कांग्रेस के समय में पाकिस्तान की गोलीबारी के सामने सफेद झंडा दिखाया जाता था। अब भारतीय फौज रोज 2-3 आतंकवादी को मार रही है। सिंह ने कहा कि आज गुजरात के बेटे ने देश का नाम दुनिया में ऊंचा किया। उन्होंने कहा कि जिस मां की कोख से में पैदा हुआ हुं उस

माँ का नाम ही गुजराती देवी था। मैं गुजराती का बेटा हूं। राजनाथ सिंह ने इस दौरान भोजपुरी में भी भाषण दिया। भाजपा नेता ने कहा कि हम जो वादा करते हैं, उसे हमेशा निभाते हैं। ये बस चुनावी नारे नहीं होते... यह हमारी सांस्कृतिक प्रतिबद्धता है। अब कोई भी शक्ति भव्य राममंदिर का निर्माण नहीं रोक सकती है। ढांचा ढहने के बाद हमने अपनी तीन सरकारें कुर्बान कर दी थी। केंद्र ने हमारी तीन सरकारों को बर्खास्त कर दिया था लेकिन हमने कभी अपनी प्रतिबद्धता एवं आंदोलन में कोई ढील नहीं आने दी।

यूपीः डेंगू-वायरल से अब तक 100 से ज्यादा मरीजों ने दम तोड़ा

केवल फिरोजाबाद में ही 75 की मौत

लखनऊ। पूरे प्रदेश में डेंगू व वायरल बुखार का कहर बढ़ता जा रहा है। केवल फिरोजाबाद में अब तक 75 लोगों की जान जा चुकी है। मथुरा में 17, मैनपुरी में तीन, कासगंज में दो लोगे डेंगू और वायरल का शिकार हो चुके हैं। वहीं गोंडा में प्रतिदिन तीन हजार से ज्यादा मरीज संदिग्ध बुखार से पीड़ित अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। वहीं कानपुर में वायरल बुखार के कारण सात दिन में 10 लोगों की मौत हो गई। बृहस्पतिवार को चार मासूम समेत 14 लोगों की मौत हो गई। इनमें फिरोजाबाद में 11, मैनपुरी दो और मथुरा में एक मरीज शामिल हैं। वहीं, फिरोजाबाद में मृतकों का आंकड़ा 75 पहुंच गया है। उधर डीएम चंद्रविजय सिंह ने लापरवाही बरतने पर पीएचसी सैलई के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. गिरीश श्रीवास्तव, प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. सौरभ प्रकाश और पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. रुचि यादव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। मोहल्ला ओझा नगर गली नंबर चार निवासी छह माह की मनु पुत्री मनोज कुमार ने बृहस्पतिवार को दम तोड़ दिया। ओम नगर निवासी हर्ष (9) पुत्र पप्पू कुशवाहा की जयपुर ले जाते समय मौत हो गई। न्यू आंबेडकर नगर की मनीषा (25) पत्नी नीरज की भी आगरा के निजी अस्पताल में मौत हो गई, जबकि बेटी अंजलि जिंदगी से संघर्ष कर रही है। आनंद नगर ककरऊ निवासी शुभम (12) पुत्र प्रवेश और हिमांयूपुर पथवारी माता मंदिर वाली गली के मानव (10) पुत्र कुलदीप की भी आगरा में इलाज के दौरान मौत हो गई। वहीं परशुराम कॉलोनी के चंद्रभान के डेढ़ माह के बालक ने दम तोड़ दिया। करबला गली नंबर छह के डेढ़ माह के ऋषभ पुत्र गुड्डू की भी मौत हो गई। आजाद नगर के कन्हैयालाल (25) सूबेदार की घर पर मौत हुई। मक्खपुर के नगला मवासी में मुस्कान (12) पुत्री बाबी और नगला अमान की कामना (17) पुत्री धर्मेंद्र की भी मौत हो गई। सरस्वती नगर की नैन्सी (5) ने भी दम तोड़ दिया। उधर, मैनपुरी के बिछवां के गांव लेखपुर निवासी अतर सिंह की पत्नी सरला (70) और रठेरा के रामसिंह की पत्नी संजीवन (63)की मौत हो गई। वहीं, मथुरा में कोह निवासी राजा (12) पुत्र हरिश्चंद्र की मौत हो गई। भड़के ग्रामीणों ने सीएमओ का घेराव किया। कानपुर में बीमारियां फिर से कहर बरपाने लगी हैं। डेंगू और वायरल फीवर से सात दिन में 10 लोगों की मौत हो गई। इनमें से पांच रोगियों की बीते 24 घंटे में जान गई है। इनमें दो बच्चे शामिल हैं। कल्याणपुर के कुरसौली गांव में बुधवार को बुखार से दूसरी रोगी की भी मौत हो गई। इस गांव में पहले एक किशोरी की बुखार से जान जा चुकी है। तेज बुखार के साथ प्लेटलेट्स गिरकर 30 हजार आने और सांस तंत्र फेल होने जैसे लक्षणों को स्वास्थ्य अधिकारी विचित्र बुखार कह रहे हैं। दरअसल यह स्क्रब टाइफस बीमारी है।

यूपीः एक लाख के इनामी हरीश को एसटीएफ ने किया ढेर

बलिया। यूपी के बलिया में एसटीएफ ने एक लाख के इनामी बदमाश हरीश पासवान को मुठभेड़ में मार गिराया है। हरीश सात जुलाई को हुई पूर्व जिला पंचायत सदस्य जलेश्वर सिंह की हत्या सहित कई संगीन मामलों में आरोपी था। पुलिस को काफी समय से उसकी तलाश थी। मूल रूप से बलिया के हल्दी थाना क्षेत्र के बाबूबेल निवासी हरीश पासवान लम्बे समय से अपराध की दुनिया में सक्रिय था। पुलिस के मुताबिक हरीश पासवान अंतरराज्यीय बदमाश है। उसके खिलाफ बलिया के अलावा झारखंड और छत्तीसगढ़ में भी कई मुकदमे दर्ज हैं। कुल करीब 35 मुकदमे दर्ज हैं। इनमें से कम से कम छह मुकदमे हत्या के हैं। बताया जा रहा है कि हरीश के खिलाफ पहला मुकदमा 2004 में दर्ज किया गया था। वह मुकदमा लूट का था। आरोप है कि सात जुलाई को हरीश ने अपने साथियों के साथ मिलकर नगर पंचायत बैरिया पश्चिम टोला के रहने वाले जलेश्वर सिंह उर्फ बलवीर सिंह की हत्या कर दी थी। हरीश तभी से फरार चल रहा था। अपराधी हरीश पासवान के खिलाफ कल रात में ही एक लाख रुपए का इनाम घोषित हुआ था। पहले उस पर 50 हजार रुपए का इनाम था जिसे बढ़ाकर वाराणसी के एडीजी ने एक लाख रुपए कर दिया था।

दिल्ली विधानसभा में मिली ब्रिटिश काल की गुप्त सुरंग, लाल किले की ओर जाता है रास्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में गुरुवार को एक गुप्त सुरंग जैसी संरचना मिली। एएनआई से बात करते हुए, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने कहा कि यह सुरंग विधानसभा को लाल किले से जोड़ती है और स्वतंत्रता सेनानियों को शिफ्ट करते समय अंग्रेजों द्वारा जनाक्रोश से बचने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता था। उन्होंने कहा कि जब मैं 1993 में विधायक बना तो यहां मौजूद एक सुरंग के बारे में अफवाह उड़ी जो लाल किले तक जाती है और मैंने इसके इतिहास की खोज करने की कोशिश की, लेकिन इस पर कोई स्पष्टता नहीं थी। गोयल ने कहा कि अब हमें सुरंग का मुंह मिल गया है, लेकिन हम इसे आगे नहीं खोद रहे हैं क्योंकि मेट्रो परियोजनाओं और सीवर स्थापना के कारण सुरंग के सभी रास्ते नष्ट हो गए हैं। उन्होंने आगे बताया कि दिल्ली विधानसभा जिसे 1912 में केंद्रीय विधानसभा के रूप में इस्तेमाल किया जाता था, उसे राजधानी को कोलकाता से दिल्ली शिफ्ट करने के बाद 1926 में एक अदालत में बदल दिया गया था और अंग्रेजों द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों को अदालत में लाने के लिए इस सुरंग का इस्तेमाल किया था। उन्होंने कहा कि हम सभी यहां पर फांसी का कमरा होने के बारे में जानते थे, लेकिन इसे कभी खोला नहीं गया। अब आजादी का 75 वां साल है और मैंने उस कमरे का निरीक्षण करने का फैसला किया। हम उस कमरे को स्वतंत्रता सेनानियों के मंदिर के रूप में बदलना चाहते हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश की आजादी से जुड़े दिल्ली विधानसभा के इतिहास को देखते हुए उनका इरादा अगले स्वतंत्रता दिवस तक पर्यटकों के लिए फांसी का कमरा खोलने का है और इसके लिए काम शुरू हो चुका है।

सरकारी खजाने के नुकसान से पीएम परेशान, मंत्रालयों से मांगी अदालतों व एनजीटी के कारण अटकी पड़ी परियोजनाओं की सूची

नई दिल्ली। परियोजनाओं का तय समयसीमा में पूरा नहीं होना अपने आप में गंभीर है। इस बात को लेकर देश के प्रधानमंत्री भी चिंतित हैं और इसके लिए बड़े एक्शन प्लान की रूपरेखा तय की है। 25 अगस्त 2021 को पीएम के निर्देश पर समीक्षा बैठक बुलाई गई। जिसमें पीएम मोदी ने विभिन्न अदालतों और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेशों की वजह से विलंबित बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की सूची मांगी है। कैबिनेट सचिव राजीव गौबा संबंधित मंत्रालयों के साथ होने वाले इस व्यापक चचाओं का नेतृत्व करेंगे। चार मंत्रालयों को कैबिनेट सचिव की निगरानी में अभ्यास में सहयोग करने करने के लिए कहा गया है। इसके साथ ही परियोजनाओं में देरी की वजह से हो रहे सरकारी खजाने के नुकासान की सूची बी तैयार करने को कहा गया है। हालांकि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि अभ्यास पूरा होने के बाद सरकार क्या करने की योजना बना रही है। लेकिन एक बात तो साफ है कि पीएम द्वारा शीर्ष-स्तरीय हस्तक्षेप और साथ में कानून मंत्रालय की भागीदारी से इस बात के संकेत मिलते हैं बुनियादी ढांचे को पूरा करने में उत्पन्न होने वाली बाधाओं को दूर करने में सहायता मिलेगी। न्यूज 18 की रिपोर्ट में बताया गया है कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, रेलवे और सड़क

परिवहन और राजमार्ग मंत्रालयों को कानून और न्याय मंत्रालय के परामर्श से भूमि अधिग्रहण, वन या अन्य मंजूरी आदि से संबंधित माननीय न्यायालयों, एनजीटी आदि के निर्णयों की पहचान करनी चाहिए। जिनके कारण बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं में देरी हो रही है। पीएम की बैठक में आगे इस बात पर भी जोर दिया गया है कि कैबिनेट सचिव को इस तरह की कवायद की निगरानी करनी चाहिए। इस तरह के अदालती फैसलों और आदेशों के कारण विलंबित परियोजनाओं की सूची, जिसमें राजकोष को हुए नुकसान भी शामिल है, कैबिनेट सचिव द्वारा तैयार और संकलित की जा सकती है। 25 अगस्त को पीएम को प्रतिष्ठित वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर परियोजना में देरी के बारे में बताया गया था, और उन्होंने परियोजना को पूरा करने के लिए महाराष्ट्र और गुजरात सरकारों के लिए लक्ष्य निर्धारित किए गए थे। देरी होने की वजह से पीएम नाराज थे और उन्होंने 25 अगस्त को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को 15 सितंबर, 2021 तक दिल्ली के शहरी विस्तार मार्ग पर काम शुरू करने के लिए भी कहा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

गौ रक्षा का स्वागत

गौ रक्षा के संबंध में इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला बेहद महत्वपूर्ण और विचारणीय है। हमारे समाज में गाय न केवल आर्थिक, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक रूप से भी व्यापक महत्व रखती है। यदि उच्च न्यायालय ने गाय के संपूर्ण महत्व को देखते हुए इसे राष्ट्रीय पशु घोषित करने का सुझाव दिया है, तो यह भारत में एक पारंपरिक आस्था को पुष्ट करने वाला कदम है। भारतीय समाज में अनेक समूह और लोग गो मांस का उपयोग करते हैं, लेकिन उच्च न्यायालय ने साफ कर दिया है कि गो मांस खाना किसी का मौलिक अधिकार नहीं है। जीभ के स्वाद के लिए किसी से जीवन का अधिकार नहीं छीना जा सकता। बूढ़ी, बीमार गाय भी खेती के लिए उपयोगी होती है। गाय की हत्या की इजाजत किसी को देना ठीक नहीं है। वास्तव में आज गाय भारतीय कृषि की रीढ़ नहीं है और समय के साथ उसका सम्मान कम भी हुआ है, लेकिन अदालत के फैसले से गाय को नए सिरे से न केवल संरक्षण, बल्कि संवर्द्धन मिलने की संभावना बनेगी। अदालत ने इस बात को भी विशेष रूप से रेखांकित किया है कि भारत में सभी संप्रदाय के लोग रहते हैं और सभी को एक-दूसरे की भावनाओं का आदर करना चाहिए। उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने गाय की हत्या करने वाले एक आरोपी की जमानत याचिका को साक्ष्यों के आधार पर खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया है। किसी भी समाज में किसी पशु को चोरी करके काटने या मारने की इजाजत नहीं दी जा सकती। भारतीय समाज पशुओं के प्रति कुछ ज्यादा ही संवेदना की मांग करता है और महात्मा गांधी ने कभी कहा था कि आपकी पहचान इस बात से होगी कि आप अपने पशुओं के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। खास तौर पर गाय के प्रति भारतीय समाज का मोह सुस्थापित है, इसीलिए देश के 24 राज्यों में गोवध पर रोक है। गाय की उपयोगिता निर्विवाद है। यह माना जाता है कि एक गाय अपने जीवन काल में 410 से 440 लोगों का पेट भरती है, जबकि एक गाय के मांस से महज 80 लोगों का पेट भरता है। मतलब मानवीयता के लिहाज से भी गाय का पालन-पोषण अर्थपूर्ण है। इसमें कोई दोराय नहीं कि मुस्लिम शासकों ने भी इस देश में कभी गो हत्या पर रोक लगाई थी और गाय को हर लिहाज से गुणकारी माना था। कोई आश्चर्य नहीं कि हमारे संविधान में भी गो संरक्षण पर बल दिया गया है। उच्च न्यायालय ने लगे हाथ यह भी कहा है कि सरकार को भी एक विधेयक लाना होगा और गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करना होगा और गायों को नुकसान पहुंचाने की बात करने वालों के खिलाफ सख्त कानून बनाना होगा। संभव है, इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट भी ले जाया जाए। तब विशेष रूप से सोचना होगा कि बैल, सांड इत्यादि की बढ़ती संख्या का क्या किया जाएगा? क्या भारतीय समाज बैल, सांड को गायों के समान ही महत्व देता है? जब गोवंश हत्या पर रोक लग चुकी है, तब आवारा पशुओं से खेतिहर समाज पहले ही परेशान है। गौ रक्षा के लिए कड़े कानून बनाने से पहले पूरे गोवंश को भारतीय समाज के लिए लाभप्रद बनाना होगा? केवल भावना या आस्था के आधार पर गोवंश की रक्षा का सपना साकार नहीं हो सकता, इसलिए गौ सेवा के तमाम व्यावहारिक पहलुओं को परख लेना चाहिए।

'आज के ट्वीट

कोविड

सिर्फ 81 एक्टिव केस के साथ राजस्थान पूरे देश में सबसे कम एक्टिव केस वाला राज्य बन गया है। यह बेहद खुशी की बात है कि पिछले एक महीने में प्रदेश में कोविड से कोई भी मृत्यु नहीं हुई है। लेकिन जरा सी लापरवाही होने पर कोविड पुनः बढ़ सकता है। -- मु. अशोक गहलोत

शिक्षक और शिष्य के क्या है मायने

-मनमोहन कुमार आर्य

शिक्षा देने व विद्यार्थियों को शिक्षित करने से अध्यापक को शिक्षक तथा शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शिष्य कहा जाता है। आजकल हमारे शिक्षक बच्चों को अक्षर व संख्याओं का ज्ञान कराकर उन्हें मुख्यतः भाषा व लिपि से परिचित कराने के साथ गणना करना सिखाते हैं। आयु वृद्धि के साथ साथ बच्चा भाषा, कविता, गणित सहित विज्ञान व कला आदि विषयों को भी अपने शिक्षकों से पढ़ता है और आगे चल कर वह पुस्तकें पढ़कर व शिक्षकों के मार्गदर्शन से चिकित्सक, इंजीनियर, कम्प्यूटर प्रयोग कर्मी, अध्यापक, व्यापारी व उद्योगपति आदि बन जाता है। हमारी वर्तमान जो शिक्षा प्रणाली है, उसमें बहुत कम लोग ही सत्य व चारित्रिक नियमों का पालन करने वाले बनते हैं। आजकल देखा जाता है कि बात-बात पर झूठ बोलना एक आम बात हो गई है। यदि यह कार्य अशिक्षित करते होते तो समझ में आता, परन्तु बड़ी बड़ी उपाधि के धारणकर्ता व उच्च पदों पर प्रतिष्ठित लोग प्रायः असत्य बोलते हैं व अपने अपने कार्यों में मिथ्याचार व भ्रष्टाचार आदि में लिप्त पाये जाते हैं। इस असत्य व्यवहार व मिथ्याचार का कारण हमें एक ओर शिक्षा प्रणाली व दूसरी ओर शिक्षकों का निजी आचारण, जीवन व चरित्र अनुभव होता है। जैसा शिक्षक होगा, माता-पिता व परिवार के लोग होंगे, वैसे ही कुछ व अधिक प्रायः शिष्य व सन्तानें बनती हैं। हमारा देश ज्ञान की दृष्टि से अन्य देशों से अधिक भाग्यशाली रहा है। प्राचीन काल में हमारे देश के लोगों के जीवन व चरित्र आदर्श व महान होते थे जिसका प्रमुख कारण वेदों का ज्ञान, विद्यार्थियों द्वारा उसका अध्ययन व आचार्यों के उच्च जीवन एवं चरित्र होते थे। आज 135 करोड़ से अधिक जनसंख्या हो जाने पर भी किसी के बारे में यह कहना कठिन है कि अमुक व्यक्ति सत्य का ही व्यवहार करता है एवं असत्य का किंचित व्यवहार नहीं करता तथा इसका चरित्र आदर्श व बेदाग है। इसका कारण हमें शिक्षा में वैदिक मूल्यों की उपेक्षा व पाश्चात्य मूल्यों की बहुलता सहित हमारे शिक्षकों का ज्ञान व अज्ञानवश पाश्चात्य मूल्यों के प्रति प्रेम अनुभव होता है। इसके अविद्या आदि अनेक कारण और भी हैं। आईये, वैदिक काल में अध्यापक और अध्यापिकायें कैसे होते थे व होने चाहिये, यह वेदों के मर्मज्ञ, आदर्श जीवन व चरित्र के धनी महर्षि दयानन्द के शब्दों में जानते हैं। महाभारतान्तर्गत उद्योगपर्व विदुरप्रजागर के अध्याय 33 के 6 श्लोकों को प्रस्तुत कर वह सत्यार्थ प्रकाश के चतुर्थ समुल्लास में लिखते हैं कि जिस को आत्मज्ञान सम्यक् हो अर्थात् जो निकम्मा आलसी कभी न रहे, सुख दुःख, हानि लाभ, मान-अपमान, निन्दा स्तुति में हर्ष शोक कभी न करे, धर्म ही में नित्य निश्चित रहे, जिस के मन को उत्तम-उत्तम पदार्थ अर्थात् विषय सम्बन्धी वस्तुयें आकर्षित न कर सकें, वही पण्डित वा शिक्षक कहाता है। सदा धर्मयुक्त कर्मों का सेवन, अधर्मयुक्त कामों का त्याग, ईश्वर, वेद, सत्याचार की निन्दा न करनेहारा, ईश्वर आदि में अत्यन्त श्रद्धालु हो, वही पण्डित वा अध्यापक-अध्यापिका का कर्तव्य-अकर्तव्य अथवा कर्म है। जो कठिन विषय को भी शीघ्र जान सके, बहुत कालपर्यन्त शास्त्रों को पढ़े सुने और विचारे, जो कुछ जाने उस को परोपकार में प्रयुक्त करे, अपने स्वार्थ के लिये कोई काम न करे, बिना पूछे वा विना योग्य समय जाने दूसरे के अर्थ में सम्मति न दे, ऐसा व्यक्ति ही प्रथम प्रज्ञान पण्डित, शिक्षक, अध्यापक व अध्यापिका को होना चाहिये। अध्यापक व अध्यापिका ऐसे हों कि जो प्राप्ति के अयोग्य की इच्छा कभी न करे, नष्ट हुए पदार्थ पर शोक न करे, आपत्काल में मोह को न प्राप्त हों अर्थात् व्याकुल न हों। यह गुण बुद्धिमान पण्डित के हैं और ऐसे ही अध्यापक व अध्यापिकायें होंवे। जिसकी वाणी सब विद्याओं और प्रश्नोत्तरों के करने में अतिनिपुण व विचित्र, शास्त्रों के प्रकरणों का वक्ता, यथायोग्य तर्क और स्मृतिमान्, ग्रन्थों के यथार्थ अर्थ का शीघ्र वक्ता हो वही पण्डित वा अध्यापक कहलाता है। जिस व्यक्ति की प्रज्ञा सुने हुए सत्य अर्थ के अनुकूल और जिस का श्रवण बुद्धि के अनुसार हो, जो कभी आर्य अर्थात् श्रेष्ठ धार्मिक पुरुषों की मर्यादा का छेदन न करे, वही पण्डित वा अध्यापक आदि संज्ञा को प्राप्त होवे। प्रकरण की समाप्ति पर महर्षि दयानन्द लिखते हैं कि जहां ऐसे-ऐसे स्त्री पुरुष पढ़ाने वाले होते हैं वहां विद्या धर्म और उत्तमाचार (सत्य भाषण एवं मिथ्याचार-भ्रष्टाचार रहित व्यवहार आदि) की वृद्धि होकर प्रतिदिन आनन्द ही बढ़ता रहता है। हमारे शिक्षक और बुद्धिमान लोग स्वयं जान सकते हैं कि शिक्षक व अध्यापक-अध्यापिकाओं के इन गुणों में से कितने गुण आजकल के शिक्षकों में पाये जाते हैं? क्या शिक्षकों के महर्षि दयानन्द वर्णित यह गुण आज अप्रासंगिक हो गये हैं? ऐसा नहीं है। इसका प्रथम कारण तो हमारे शिक्षाविदों की इनसे अनभिज्ञता व दूसरा पाश्चात्य मूल्यों के प्रति गहन प्रेम है और इसके अतिरिक्त शिक्षण व्यवसाय से जो सुख सुविधायें उन्हें मिल रही है, उनका राग भी एक प्रमुख कारण है। हम महर्षि दयानन्द के प्रति इन वैदिक, सनातन व भारतीय मूल्यों को महाभारत से निकाल कर हिन्दी में अर्थ सहित जनसाधारण में प्रस्तुत करने के लिए सभी देशवासियों पर उनका उपकार मानते हैं। महर्षि द्वारा प्रस्तुत विचारों पर ध्यान देने पर हमें उनके गुरू प्रज्ञाचक्षु स्वामी विरजानन्द सरस्वती और स्वयं स्वामी दयानन्द ही सच्चे अध्यापक, शिक्षक, गुरु व आचार्य और इन सभी गुणों से सम्पन्न दिखाई देते हैं। अध्यापकों के गुणों का वर्णन करने के बाद वह पढ़ाने में अयोग्य मूर्ख शिक्षकों का वर्णन भी करते हैं जिसका आधार भी उन्होंने महाभारत के उद्योगपर्व के अध्याय 33 के दो श्लोकों संख्या 30 व 36 को बनाया है। वह लिखते हैं कि जिसने कोई शास्त्र न पढ़ा न सुना, अतीव घमण्डी, दरिद्र होकर बड़े-बड़े मनोरथ करनेहारा, विना कर्म से पदार्थों की प्राप्ति की इच्छा करने वाला हो, उसी को बुद्धिमान लोग मूढ़ कहते है। ऐसे लोग पढ़ाने योग्य नहीं होते। आजकल समाज में ऐसे बहुत से अध्यापक हमें देखने को मिल जाते हैं। दूसरे श्लोक का अर्थ करते हुए वह लिखते हैं कि जो विना बुलाये सभा वा किसी के घर में प्रविष्ट हो, उच्च आसन पर बैठना चाहे, विना पूछे सभा में बहुत सा बोले, विश्वास के अयोग्य वस्तु वा मनुष्य में विश्वास करे, वही मूढ़ और सब मुनष्यों में नीच मनुष्य कहाता है। इन 2 श्लोकों के अर्थों पर टिप्पणी कर दयानन्द जी कहते हैं कि जहां ऐसे पुरुष अध्यापक, उपदेशक, गुरु और माननीय होते हैं वहां अविद्या, अधर्म, असभ्यता, कलह, विरोध और फूट बढ़ कर दुःख ही बढ़ता जाता है। शिक्षक दिवस अभी 3 दिन पूर्व ही व्यतीत हुआ है। हम समझते हैं कि प्रत्येक शिक्षक दिवस पर शिक्षक के इन गुणों व अवगुणों पर विचार कर अवगुणों के त्याग व गुणों के ग्रहण की सभी शिक्षकों को प्रतिज्ञा लेनी चाहिये। विद्यार्थियों के लक्षण भी महर्षि दयानन्द ने महाभारत के आधार पर लिखे हैं। वह हैं कि शरीर और बुद्धि में जड़ता, नशा, मोह, किसी वस्तु में फंसावट, चपलता और इधर-उधर की व्यर्थ कथा करना सुनना, पढ़ते पढ़ाते रुक जाना, अभिमानी, अत्यागी होना ये सात दोष विद्यार्थियों में होते हैं। जो ऐसे दोषों से युक्त विद्यार्थी होते हैं, उनको विद्या कभी नहीं आती। सुख भोगने की इच्छा करने वाले को विद्या कहां? और विद्या पढ़ने वाले को सुख कहां? क्योंकि विषय-सुखार्थी विद्या को और विद्यार्थी विषयसुख को छोड़ दें। ऐसा किये विना विद्या कभी नहीं आ सकती। कैसे विद्यार्थियों को विद्या आती है, इसका उत्तर है कि जो सदा सत्याचार में प्रवृत्त, जितेन्द्रिय और जिन का ब्रह्मचर्य सच्चा व अखण्डित हो, वे ही विद्वान होते हैं। इसलिये शुभ लक्षणयुक्त अध्यापक और विद्यार्थियों को होना चाहिये। महर्षि दयानन्द अपने विचार व मान्यतायें बताते हुए लिखते हैं कि अध्यापक लोग ऐसा यत्न किया करें कि जिससे विद्यार्थी लोग सत्यवादी, सत्यमानी, सत्यकारी सभ्यता, जितेन्द्रिय, सुशीलतादि शुभगुणयुक्त शरीर और आत्मा का पूर्ण बल बढ़ा के समग्र वेदादि शास्त्रों में विद्वान् हों। सदा उन की कुचेष्टा छुड़ाने में और विद्या पढ़ाने में चेष्टा किया करें और विद्यार्थी लोग सदा जितेन्द्रिय, शान्त, पढ़ानेहारों में प्रेम, विचारशील, परिश्रमी होकर ऐसा पुरुषार्थ करें जिससे पूर्ण विद्या, पूर्ण आयु, परिपूर्ण धर्म और पुरुषार्थ करना आ जाय। यह कार्य व इनको करके अध्यापक ब्राह्मण वर्ण के कहलाते है। हम समझते हैं कि महर्षि दयानन्द के उपर्युक्त विचारों व मान्यताओं में आदर्श गुरु व शिष्य का चित्र उपस्थित हुआ है। हमारे शिक्षाविदों को इस पर विचार कर इसका शिक्षा प्रणाली में समावेश करना चाहिये। कम आयु के बच्चों में सदाचार व सदग्रन्थों वेद, दर्शन, उपनिषद, मनुस्मृति एवं सत्यार्थप्रकाश आदि की शिक्षा आवश्यक है। इनको पूर्ण वा आंशिक ही पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाना चाहिये तभी हमें अच्छे शिक्षक व शिष्य प्राप्त होंगे। समूचे देश में संस्कृत अनिवार्य विषय के रूप से पढ़ाई जाये, इससे शिक्षा की बहुत सेवा होगी। इसी के साथ लेख को विराम देते हैं।

बीमारी

आचार्य रजनीश ओशो/ ध्यान रखना, सवाल है - उसे ऐसा प्रतीत नहीं होता कि यह बीमारी में हूं या मैं बीमार हूं। बीमारी तो आती है; जैसे तुम्हें आती है, उसे भी आती है। अरे, जब भूख आती है, प्यास आती है; जवानी आती है, बुढ़ापा आता है, तो बीमारी न आएगी? बीमारी भी आएगी, बुढ़ापा भी आएगा और मृत्यु भी आएगी। मगर तीर्थकर को जरा भी प्रभावित नहीं करती। 'तीर्थकर अछूता रह जाता है, अस्पर्शित रह जाता है। यह तो बात समझ में आने की है। लेकिन यह बात मूढ़तापूर्ण हो जाती है जब तुम कहने लगते हो - बीमारी ही नहीं आती है। फिर- तुम्हें न मालूम क्या-क्या कहानियां गढ़नी पड़ती हैं। झूठी कहानियां! एक झूठ को बचाने के लिए हजार झूठ गढ़ने पड़ते हैं। तो यह कहानी गढ़नी पड़ी है जैनों को। क्योंकि इस बात को झुठलाएं कैसे कि छह महीने महावीर पेचिश की बीमारी से परेशान रहे? अब इस बात को छिपाएं कैसे? छह महीने उनको दस्त ही लगते रहे। इसी में उनकी मृत्यु हुई। तो कहानी गढ़नी पड़ी। कहानी गढ़ी कि गोशालक ने उनके ऊपर तेजोलेश्या छोड़ी। गोशालक ने जादू किया, काला जादू। जैन शास्त्रों में उसका नाम है तेजोलेश्या। उसने अपना सारा क्रोध, अपनी क्रोधाग्नि उनके ऊपर फेंक दी। और करुणावश वह उस क्रोधाग्नि को पचा गए क्योंकि वापस भेजें तो गोशालक मर जाएगा। गोशालक न मरे, इसलिए वे पी गए उस तेजोलेश्या को, उस काले जादू को। स्वभावतः जब काला जादू पीया, तो पेट खराब हो गया। अब क्या कहानी गढ़नी पड़ी! सीधी सादी बात है 'कि पेट को बीमारी थी'। इसमें बिचारे गोशालक को फंसाते हो, तेजोलेश्या की कहानी गढ़ते हो, करुणा दिखलाते हो और तुम कहते हो कि तीर्थकर सर्वशक्तिशाली होता है। तो तेजोलेश्या को पचाते तो पूरा ही पचा जाना था, फिर क्या पेट खराब करना था। पचा ही जाता पूरा। फिर पेट कैसे खराब हुआ? पचा नहीं पाया। नहीं तो पेट खराब नहीं होना था। पची नहीं तेजोलेश्या। शरीर के अपने नियम हैं। अपना गणित है। शरीर प्रकृति का हिस्सा है। और प्रकृति कोई अपवाद नहीं करती। तो जो परिणाम होना था, वह हुआ। मृत्यु उससे फलित हुई। मृत्यु भी होती है, बीमारी भी होती है, बुढ़ापा भी होता है। फिर जो भी साक्षीभाव को उपलब्ध हो गया है, वह सिर्फ देखता रहता है, उसका कहीं भी ऐसा तालमेल नहीं बैठ जाता कि मैं बीमार हूं। यह बात उठती नहीं, यह बात जुड़ती नहीं उसके भीतर। इसलिए बीमारी के बीच भी वह परम स्वस्थ होता है।

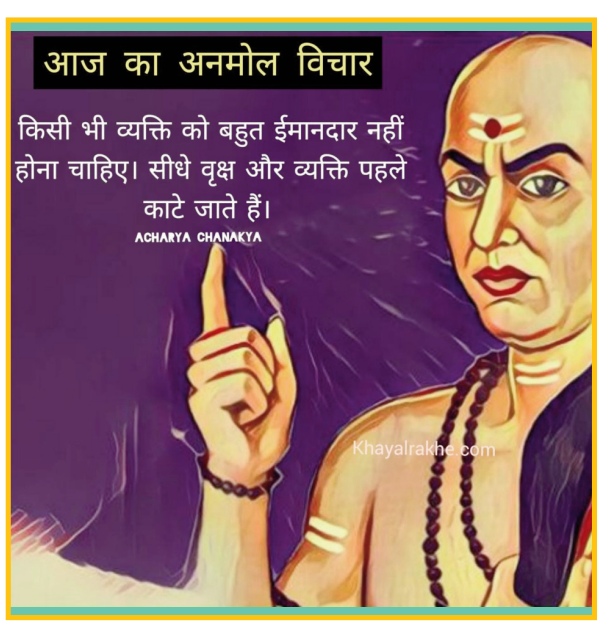

वाणी से पहचानें कौन कैसा है?

प्रकाशनार्थ/ - डॉ. दीपक आचार्य

व्यक्ति के जीवन में सफलता-असफलता का सर्वोपरि संकेतक है वाणी। इसी से पहचाना जा सकता है कि कौन कैसा है, किस तरह का है और उसका भविष्य क्या होगा। जब दो या तीन लोग आपस में चर्चा कर रहे हों और उनकी आवाज पन्द्रह-बीस फीट और इससे दूर तक भी सुनाई दे, इसी प्रकार जो लोग बिना जरूरत के जोर-जोर से बोलते हैं, चिल्ला-चिल्ला कर बातें करते हैं, वे नीच किस्म के होते हैं और उनका व्यक्तित्व पीपे की तरह खोखला किन्तु बजते हुए शोर मचाने वाला होता है। जबकि जो लोग उतना ही तेज बोलते हैं कि पास खड़े या बैठे व्यक्ति तक अच्छी तरह सुनाई पड़े, वे भारी और समृद्ध व्यक्तित्व के धनी होते हैं। इसी प्रकार जो लोग जरूरत से भी कम वोल्यूम में बोलते हैं वे भ्रष्ट और पाखण्डी होते हैं या फिर अपराधबोध से ग्रस्त अथवा अज्ञात भय से ग्रस्त। इनमें अपवाद संभव है। जिन लोगों की वाणी स्पष्ट नहीं होती, उनमें भी अधिकांश भ्रष्ट और बेपटरी होते हैं। खूब सारे लोग होते हैं जिनके कण्ठ से वाणी निकलती ही नहीं, बोलते भी हैं तो लगता है कि जैसे मर-मर कर बोल रहे हैं। वाणी की स्पष्टता न होना किसी न किसी रूप में चित्त या शरीर की अशुद्धि, बुरी आदतों और चतुर स्वभाव का संकेत है। आपस में वार्तालाप धीरे-धीरे करने वाले किन्तु दूसरे लोगों को देखते ही अपने आपको कर्मरत दिखाने की गरज से जोर-जोर से चिल्ला कर काम करने वालों की संख्या आजकल अधिक होती जा रही है। ऐसे लोग कम समय और न्यून परिश्रम में अधिक से अधिक पाने और बिना मेहनत के श्रेय पाने के लिए सदैव आतुर रहा करते हैं। बातचीत और वाणी का प्रभाव तभी पड़ता है जब व्यक्ति मितभाषी हो, अर्थात् बिना वजह बोलने से परहेज रखने वाला हो। ऐसे व्यक्ति जो कुछ बोलते हैं उनके शब्दों में ऊर्जा समाहित होती है इसलिए कम शब्दों में अभिव्यक्ति होने पर भी इनके शब्दों का असर प्रभावी होता है। इसके ठीक विपरीत जो लोग अधिक बोलते रहने की आदत पाले होते हैं वे सैकड़ों-हजारों शब्दों का वमन करने के बावजूद न तो अपनी बात को साफ ढंग से समझा सकते हैं, न उनके भाषणों, सीख या किसी भी बात का कोई प्रभाव पड़ता है। इसका कारण यह है कि उनके शब्द ऊर्जा हीन एवं खोखले होते हैं। वाणी परमाणु ऊर्जा से अधिक समर्थ एवं अपरिमित शक्ति सम्पन्न होती है। ऐसे में इसका जितना कम से कम उपयोग होता है, उतनी दिव्य, माधुर्य और प्रभावकारी होती है। फिर जो लोग मन, कर्म और वचन से सच्चे नहीं होते, उनके भाषणों, उपदेशों, शब्दों या बातों का कोई प्रभाव नहीं होता। जो लोग सत्याश्रयी हैं उनकी वाणी में ब्रह्मास्त्र की शक्ति होती है। इसलिए ऐसे लोग चन्द शब्द ही कहते हैं और इसका अतुलनीय प्रभाव सामने आता है। इनकी वाणी में न केवल दम होता है बल्कि इनके द्वारा कहे गए शब्द दिमाग और दिल में कई दिनों तक गूंजते रहकर जबर्दस्त प्रभाव छोड़ते हैं। आज हमारे जीवन में पग-पग पर असफलताएं दिखती हैं, हमारे ईच्छित काम नहीं होते, हमारी कही हुई बातें झूठ साबित होती हैं, हमारे आशीर्वाद और शुभकामनाएं कहीं कोई प्रभाव नहीं छोड़ पाते, हमारे द्वारा दी जाने वाली संवेदनाएं और श्रद्धान्जलियों का कोई प्रभाव दिवंगत आत्मा की मुक्ति में कहीं कोई सहयोग नहीं कर पाते। सब कुछ केवल औपचारिकताओं का झूठा और दिखाऊ नग्न नृत्य होकर रह गया है। हम आजकल जो कुछ कर रहे हैं वह केवल दिखावे के लिए ही, और वह भी इसलिए कि हमारी छवि लोकप्रिय और सकारात्मक बनी रहे, लोग हमसे खुश रहें और वक्त जरूरत हमारे काम आते रहें। हमारी पूरी जिन्दगी की बुनियाद ही वाणी की सच्चाई पर टिकी है और यह नींव तभी तक मजबूत रहती है जब तक जीवन में सत्य का आश्रय रहे अन्यथा केवल टाईमपास जिन्दगी के सिवा ये दुनिया-जहाँ हमारे लिए कुछ नहीं। जैसे आए थे वैसे ही जाना है, यही सत्य है। जीवन भर भले ही सत्य से दूर रहे हों, पर अन्ततः राम नाम सत्य होना ही है और इसे भी हम स्वयं सुन नहीं पाते। वे ही बोलते-सुनते हैं जो हमें मरघट तक ले जाते हैं। यह सोचकर कि अंतिम मौका है, निभा लें। फिर तो भूल जाना है, हमेशा-हमेशा के लिए भुला देना है। जो व्यक्ति जितना अधिक निर्मल चित्त और स्पष्ट वक्ता होता है, उसकी वाणी उतनी ही अधिक मुखर और मधुर होगी। व्यक्तित्व का सबसे पहले प्रभाव मुख और वाणी से ही पहचाना जा सकता है। किसी भी व्यक्ति की बोली से पहचान हो सकती है कि कौन कितना निम्न और हल्का है अथवा कौन कितना शालीन और भारी व्यक्तित्व का है। अनावश्यक जोर-जोर से बोलने वाले लोगों की बुद्धि व स्मरण शक्ति कमजोर रहती है और उनकी मृत्यु दूसरों की अपेक्षा जल्दी होती है। अपने आपको जानें, आस-पास वालों को जानें तथा मूल्यांकन करें कि हम और हमारे लोगों को सुधरना है या फिर यों ही मृत्यु आने तक टाईमपास विफल जिन्दगी का ही वरण करते हुए बिना किसी भूमिका या उपलब्धि के इस कहावत को सार्थक करना - लौट के बुद्धू घर को आए।

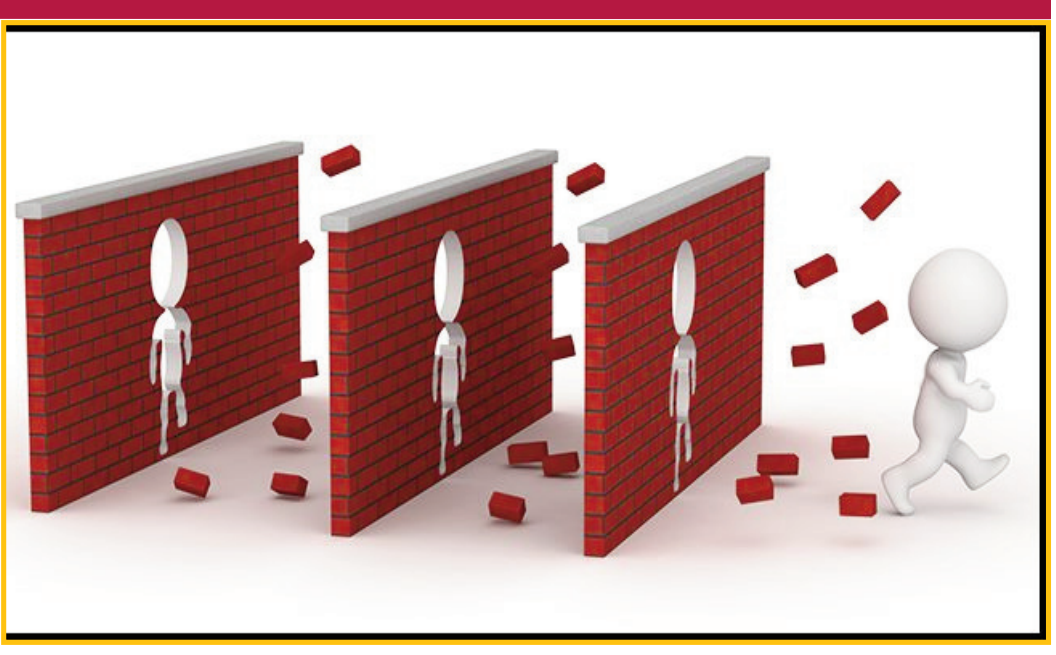

आज का राशिफल

मेष अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।

कर्क व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।

तुला व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चों का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।

मकर पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

ओडिशा GST शाखा ने 323 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया

भुवनेश्वर: ओडिशा की जीएसटी प्रवर्तन शाखा ने 323 करोड़ रुपए की जीएसटी धोखाधड़ी का खुलासा किया है और राज्य में फर्जी चालान बनाने से जुड़ी गतिविधियों में एक चार्टर्ड अकाउंटेंट सहित दो मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया है। राज्य जीएसटी प्रवर्तन शाखा ने बृहस्पतिवार को झारसुगुड़ा के चार्टर्ड अकाउंटेंट अमित कुमार अग्रवाल और एस.एस सिंडिकेट, भुवनेश्वर के मालिक सतेंद्र कुमार यादव को गिरफ्तार किया। कटक स्थित वाणिज्यिक कर और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) आयुक्तालय द्वारा शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया कि दोनों को 13 फर्जी कंपनियां बनाने और संचालन में शामिल मास्टरमाइंड माना जा रहा है। अग्रवाल को झारसुगुडा में और यादव को भुवनेश्वर में गिरफ्तार किया गया। दोनों ने अन्य लोगों के साथ मिलीभगत में 13 फर्जी/अस्तित्वहीन व्यावसायिक संस्थाओं के नाम पर 1,819 करोड़ रुपए के नकली खरीद और बिक्री के चालान बनाकर 323 करोड़ रुपये के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) का लाभ उठाया और उसे आगे बढ़ा दिया। बयान में कहा गया कि गिरोह ने हाल ही में पेश किए गए जीएसटी के सरलीकरण का फायदा उठाकर धोखाधड़ी की।

वेदांता की सामाजिक पहल से 2020-21 में 4.2 करोड़ लोगों को पहुंचा फायदा

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी प्राकृतिक संसाधन कंपनियों में से एक, वेदांता लिमिटेड ने अपनी विभिन्न सामाजिक विकास पहलों के माध्यम से देश भर में 4.23 करोड़ लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। कंपनी ने शुक्रवार को जारी अपनी पहली सामाजिक प्रभाव (सोशल इंपेक्ट) - सीएसआर रिपोर्ट में यह घोषणा की। वेदांता का वर्षों से भारत में कई प्रभावशाली सीएसआर कार्यक्रमों में विशेष योगदान रहा है और इसे देश में सबसे अधिक सामाजिक रूप से जिम्मेदार कॉर्पोरेट्स में से एक माना जाता है। कंपनी ने पिछले वित्तीय वर्ष में विभिन्न सीएसआर गतिविधियों पर 331 करोड़ रुपये खर्च किए, जिसमें महामारी राहत कार्यों, बच्चों की भलाई और शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य देखभाल, टिकाऊ कृषि और पशु कल्याण, युवाओं के बाजार से जुड़े कौशल, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक बुनियादी ढांचे के विकास आदि पर ध्यान केंद्रित किया गया। व्यापक सामाजिक प्रभाव रिपोर्ट लक्ष्य और उद्देश्यों, कार्यान्वयन और ऑडिट दिशानिर्देशों के साथ-साथ शिक्षा, स्थायी आजीविका, स्वास्थ्य, कौशल, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण, खेल, पानी, स्वच्छता और सामुदायिक विकास सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश भर में 56 प्रॉमिस परियोजनाओं में की जा रही गतिविधियों सहित वेदांता की सीएसआर नीति बताती है। इस साल की शुरुआत में, वेदांता ने अनिल अग्रवाल फाउंडेशन (एएएफ) के माध्यम से सामाजिक विकास रोडमैप की घोषणा की और अपने ग्रामीण उत्थान कार्यक्रमों के लिए उनके गिव बैक टूवर्ड्स इट्स रूरल अपलिफ्टमेंट प्रोग्राम्स के हिस्से के रूप में 5,000 करोड़ रुपये का वादा किया। एएएफ का स्वस्थ गांव अभियान, 12 राज्यों के 1,000 गांवों में शुरू से अंत तक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा, जिससे 20 लाख से अधिक लोगों का जीवन सकारात्मक रूप से प्रभावित होगा। एएएफ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के साथ साझेदारी में अपना प्रमुख नंद घर प्रोग्राम भी चला रहा है, जिसका उद्देश्य पोषण, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए महत्वपूर्ण पहुंच प्रदान करना है। भारत में 13.7 लाख आंगनवाड़ियों में 7 करोड़ बच्चों और 2 करोड़ महिलाओं के जीवन को बदलने की दृष्टि से 11 राज्यों में लगभग 2400 नंद घर स्थापित किए गए हैं। रिपोर्ट के विमोचन के अवसर पर वेदांता रिसोर्सेज के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा, वेदांता एक जिम्मेदार प्राकृतिक संसाधन कंपनी है और उसने हमेशा समुदाय को वापस देने में अपना उद्देश्य प्राप्त किया है और यह वेदांता लोकाचार का एक अंतर्निहित हिस्सा है। वर्षों से, वेदांता स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल और आजीविका के माध्यम से हमारे समुदायों के समावेशी विकास और हमारे समुदायों के साथ विकसित विश्वास प्रदान करने के माध्यम से जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित कर रहा है। हम इसे यथासंभव बढ़ाना जारी रखेंगे।

यूरोपीय संघ के गोपनीयता कानून के उल्लंघन के लिए व्हाट्सएप पर 267 मिलियन डॉलर का जुर्माना

लंदन (एजेंसी)।
फेसबुक के स्वामित्व वाले व्हाट्सएप पर यूरोपीय संघ (ईयू) के डेटा गोपनीयता नियमों को तोड़ने के लिए 225 मिलियन यूरो (267 मिलियन डॉलर) का जुर्माना लगाया गया है। द वर्ज के अनुसार, आयरलैंड के डेटा प्रोटेक्शन कमीशन (डीपीसी) ने 89-पृष्ठ के सारांश में निर्णय की घोषणा की, यह देखते हुए कि व्हाट्सएप ने यूरोपीय संघ के नागरिकों को यह ठीक से सूचित नहीं किया कि यह उनके व्यक्तिगत डेटा को कैसे संभालता है, जिसमें यह भी शामिल है कि वह उस जानकारी को अपनी मूल कंपनी के साथ कैसे साझा करता है। व्हाट्सएप को अपनी पहले से ही लंबी गोपनीयता नीति में अपडेट करने और यह बदलने का आदेश दिया गया है कि यह कैसे उपयोगकर्ताओं को अपना डेटा साझा करने के बारे में सूचित करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह इसे यूरोप के जनरल डेटा प्रोटेक्शन रेगुलेशन (जीडीपीआर) के अनुपालन में लाएगा, जो यह नियंत्रित करता है कि तकनीकी कंपनियां यूरोपीय संघ में डेटा कैसे इकट्ठा करती हैं और उसका उपयोग करती हैं। जीडीपीआर मई 2018 में लागू हुआ और व्हाट्सएप उन पहली कंपनियों में से एक थी, जिन पर नियमन के तहत गोपनीयता के मुकदमे दर्ज किए गए थे। व्हाट्सएप के प्रवक्ता ने द वर्ज को एक ईमेल में कहा कि कंपनी इस फैसले के खिलाफ अपील करेगी। प्रवक्ता ने कहा, व्हाट्सएप एक सुरक्षित और निजी सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया है कि हम जो जानकारी प्रदान करते हैं वह पारदर्शी और व्यापक है और ऐसा करना जारी रखेंगे। हम 2018 में लोगों को प्रदान की गई पारदर्शिता के संबंध में आज के फैसले से असहमत हैं। डीपीसी का निर्णय 2018 में एक जांच के साथ शुरू हुआ और यह जीडीपीआर नियमों के तहत लगाया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा जुर्माना है। इस साल जुलाई में, अमेजॉन पर यूरोपीय संघ के गोपनीयता कानूनों का उल्लंघन करने के लिए 887 मिलियन डॉलर का रिकॉर्ड जुर्माना लगाया गया था।

यूट्यूब के 50 मिलियन प्रीमियम, म्यूजिक सब्सक्राइबर -रिपोर्ट

सैन फ्रांसिस्को। गूगल ने घोषणा की है कि यूट्यूब म्यूजिक और यूट्यूब प्रीमियम के 50 मिलियन सब्सक्राइब हो गए हैं। दिसंबर 2020 में इसके 30 मिलियन सब्सक्राइबर्स थे। यह एक उल्लेखनीय वृद्धि है। द वर्ज की रिपोर्ट के मुताबिक, यह उन लोगों में एक निरंतर प्रवृत्ति को चिह्नित करता है जो यूट्यूब म्यूजिक और यूट्यूब प्रीमियम के मुफ्त वर्जन से ऊपर उठाने की तलाश में हैं। यूट्यूब म्यूजिक प्रीमियम की कीमत 9.99 डॉलर प्रति माह है और यह यूजर्स को विज्ञापन-मुक्त संगीत सुनने और डाउनलोड करने की अनुमति देता है। यूट्यूब प्रीमियम 11.99 डॉलर प्रति माह के लिया जाता है और ग्राहकों को यूट्यूब म्यूजिक के सभी लाभों तक पहुंच प्रदान करता है, साथ ही विज्ञापन-मुक्त नियमित वीडियो डाउनलोड करने और देखने देता है। प्रीमियम ग्राहक किसी अन्य ऐप का उपयोग करते समय या उनका फोन लॉक होने पर भी पृष्ठभूमि में वीडियो चला सकते हैं। गूगल ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है कि 20 मिलियन-ग्राहकों की वृद्धि कैसे हुआ, लेकिन आपको बात दें कि पिछले साल गूगल अपनी प्ले म्यूजिक सेवा को बंद कर रहा दिया था।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में रिकॉर्ड उछाल, मार्केट कैप 15 लाख करोड़ रुपए के पार

बिजनेस डेस्क: एशिया और भारत के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस इंड़स्ट्रीज का शेयर शुक्रवार को बीएसई पर कारोबार के दौरान 3.73 फीसदी की तेजी के साथ 2379.25 रुपए के नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। इसके साथ ही कंपनी का मार्केट कैप 15 लाख करोड़ रुपए को पार कर गया। रिलायंस देश की सबसे मूल्यवान कंपनी है। रिलायंस के रिटेल वेंचर रिलायंस रिटेल ने स्थानीय सर्च इंजन प्लेटफॉर्म जस्ट डायल लिमिटेड का अधिग्रहण किया है। इसके बाद से रिलायंस के शेयरों को लेकर निवेशकों में उत्साह देखा जा रहा है। रिलायंस का शेयर पिछले साल सितंबर में रिकॉर्ड हाई पर पहुंचा था। बीएसई (BSE) के आंकड़ों के मुताबिक कंपनी का शेयर दोपहर 2 बजे 2.88 फीसदी की तेजी के साथ 2359.65 रुपए पर ट्रेड कर रहा था। जुलाई के बाद से इसमें करीब 15 फीसदी तेजी आ चुकी है। कंपनी के शेयरों में तेजी की वजह वे निवेशक हैं जो आने वाले दिनों में इसमें और तेजी की उम्मीद कर रहे हैं। कोरोना का दूसरी लहर के कारण देश के कई राज्यों ने स्थानीय स्तर पर लॉकडाउन लगाया था। इससे जून तिमाही में रिलायंस का रिटेल और रिफाइनरी ऑपरेशंस प्रभावित हुआ था लेकिन अब पाबंदियों में ढील के कारण स्थिति में तेजी से सुधार हो रहा है। इससे सितंबर और दिसंबर तिमाहियों में रिलायंस के रिटेल बिजनेस में तेजी आने की उम्मीद है।

शेयर बाजारों में नए रिकॉर्ड बनाने का सिलसिला जारी, सेंसेक्स 277 अंक चढ़ा, निफ्टी 17,300 के ऊपर

(एजेंसी):
बीएसई सेंसेक्स शुक्रवार को 277 की तेजी के साथ पहली बार 58,000 अंक के ऊपर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर कुल मिलाकर सकारात्मक रुख तथा विदेशी संस्थागत निवेशकों की तरफ से पूंजी प्रवाह बने रहने के बीच सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर में तेजी से बाजार को मजबूत मिली। तीस शेयरों पर आधारित संसेक्स 277.41 अंक यानी 0.48 प्रतिशत चढ़कर अब तक के उच्चतम स्तर 58,129.95 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह रिकार्ड 58,194 अंक तक चला गया था। इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 89.45 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ रिकार्ड 17,323.60 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह रिकार्ड 17,340.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में रिलांयस इंडस्ट्रीज का शेयर रहा। इसके अलावा, टाइटन, टाटा स्टील, बजाज ऑटो, मारुति और डा. रेड्डीज भी प्रमुख रूप से लाभ में रहें। दूसरी तरफ गिरावट वाले शेयरों में एचयूएल, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी और इंडसइंड बैंक शामिल हैं। रिलायंस सिक्योरिटीज के रणनीति मामलों के प्रमुख विनोद मोदी ने कहा कि मुख्य रूप से धातु और वाहन शेयरों में तेजी से घरेलू शेयर बाजार मजबूत हुआ। आरआईएल में जोरदार तेजी से बाजार को समर्थन मिला। वित्तीय और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) को छोड़कर ज्यादातर प्रमुख सूचकांक लाभ में रहें। मझोली तथा छोटी कंपनियों के शेयरों में लिवाली बनी रही। वहीं बाजार में जोखिम के स्तर को बताने वाला 'वोलाटिलिटी इंडेक्स (उतार-चढ़ाव सूचकांक) 2 प्रतिशत ऊपर चढ़ा है। उन्होंने कहा, ''अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की तरफ से फिलहाल उदार नीतिगत रुख बनाए रखने के बयान के बाद मुख्य रूप से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश में तेजी तथा घरेलू पूंजी प्रवाह जारी रहने से निफ्टी इस सप्ताह करीब 3.5 प्रतिशत मजबूत हुआ। एशिया के अन्य बाजारों में शंघाई और हांगकांग नुकसान में रहे जबकि सियोल और टोक्यो में तेजी रही। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर कारोबार में तेजी रही।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.51 प्रतिशत मजबूत होकर 73.40 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

फ्यूचर-रिलायंस रिटेल विलय सौदा: FRL का न्यायालय से अपील पर जल्द सुनवाई का अनुरोध

नई दिल्ली (एजेंसी):
फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) ने शुक्रवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के एक हालिया आदेश के खिलाफ उच्चतम न्यायालय में दायर अपनी नई याचिका पर जल्द सुनवाई करने का अनुरोध किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि वह एफआरएल को रिलायंस रिटेल के साथ 24,731 करोड़ रुपए के विलय के सौदे पर आगे बढ़ने से रोकने संबंधी पहले के निर्देश को लागू करेगा। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति अनिरुद्ध बोस की तीन सदस्यीय पीठ ने एफआरएल के वकील से कहा, 'मुझे फाइल देखने दीजिए और मैं एक तारीख दूंगा।' सिंगापुर की आपातकालीन मध्यस्थता अदालत (ईए) द्वारा एफआरएल को सौदे पर आगे बढ़ने से रोकने वाले आदेश को लागू कराने के लिए अमेजन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिल्ली उच्च न्यायालय ने 17 अगस्त को कहा था कि अगर चार सप्ताह के भीतर उच्चतम न्यायालय से कोई स्थगन नहीं मिलता है, तो वह फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) को रिलायंस रिटेल के साथ हुए सौदे में आगे बढ़ने से रोकने वाले एकल न्यायधीश के आदेश को लागू करेगा। उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश की पीठ ने 18 मार्च को सिंगापुर आपात पंचाट (ईए) के फ्यूचर रिटेल को, रिलायंस रिटेल को अपना कारोबार 24,713 करोड़ रुपये में बेचने के सौदे पर रोक के आदेश को उचित ठहराया था। न्यायमूर्ति जे आर मिधा ने फ्यूचर रिटेल को निर्देश दिया था कि वह रिलायंस के साथ सौदे पर आगे कोई कार्रवाई नहीं करे। अदालत ने कहा था कि समूह ने जानबूझकर ईए के आदेश का उल्लंघन किया है। उच्च न्यायालय ने फ्यूचर समूह की सभी आपत्तियों को खारिज कर दिया था और साथ ही कंपनी और उसके निदेशकों पर 20 लाख रुपए की लागत भी लगाई थी। एफआरएल की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ताओं हरीश साल्वे और मुकुल रोहतगी ने पीठ से इस मामले में जल्द सुनवाई का अनुरोध किया और कहा कि अगर शीर्ष अदालत ने उसके पक्ष में आदेश पर रोक नहीं लगाई तो उच्च न्यायालय एफआरएल को रिलायंस रिटेल के साथ हुए सौदे में आगे बढ़ने से रोकने वाले एकल न्यायधीश के आदेश को लागू कर देगा। साल्वे ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के 'दूरगामी परिणाम' होंगे और एफआरएल की अपील पर नौ सितंबर को सुनवाई की मांग की क्योंकि उच्च न्यायालय के समक्ष मामला 16 सितंबर को सूचीबद्ध है। रोहतगी ने एक अन्य याचिका का हवाला देते हुए कहा कि उच्च न्यायालय ने पूरी संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया है और अगर फ्यूचर ग्रुप एवं अन्य को शीर्ष अदालत से अनुकूल आदेश नहीं मिला तो अवमानना की कार्रवाई शुरू की जाएगी।

जेएसपीएल के शेयरधारकों ने जिंदल पावर में 96.42 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने को मंजूरी दी

नयी दिल्ली, जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) के शेयरधारकों ने शुक्रवार को उसकी इकाई जिंदल पावर की 96.42 प्रतिशत हिस्सेदारी प्रवर्तकों के स्वामित्व वाली कंपनी वर्ल्डवन को बेचने के सौदे को मंजूरी दे दी। हिस्सेदारी 7,401 करोड़ रुपये में बेची जाएगी। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने पीटीआई-भाषा से कहा कि जेएसपीएल के शेयरधारकों ने तीन सितंबर, 2021 को आयोजित असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में वर्ल्डवन को जिंदल पावर की हिस्सेदारी बेचने को मंजूरी दे दी। सूत्र ने बताया कि जेएसपीएल ने जिंदल पावर की 96.42 फीसदी हिस्सेदारी प्रवर्तकों के स्वामित्व वाली कंपनी वर्ल्डवन को बेचने का प्रस्ताव दिया था। वर्ल्डवन करीब 7,401 करोड़ रुपये में जिंदल पावर में जेएसपीएल के स्वामित्व वाले सभी इक्विटी शेयर और रिडीमेबल प्रेफरेंस शेयर खरीदेगी। इस 7,401 करोड़ रुपये में से 3,015 करोड़ रुपये नकद देय होंगे और बाकी 4,386 करोड़ रुपये (लगभग) अंतर-कॉर्पोरेट जमा एवं अन्य के माध्यम से दिए जाएंगे।

मारुती सुजुकी की इन कारों में खामी, कंपनी ने वापस मंगाई 1.81 लाख गाड़ियां

(एजेंसी):
देश की सबसे बड़ी वाहन विनिर्माता कंपनी मारुती सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने खराब मोटर जनरेटर बदलने के लिए सियाज, विटारा ब्रेजा और एक्सएल6 समेत अलग-अलग मॉडल की 1,81,754 कारों को वापस मंगाया है। मारुती सुजुकी ने शुक्रवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि एक जिम्मेदार कॉर्पोरेट कंपनी होने के नाते तथा ग्राहकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने सियाज, एर्टिगा, विटारा ब्रेजा, एस क्रॉस और एक्सएल6 के कुछ पेट्रोल मॉडल को वापस मंगाने का निर्णय किया है। कंपनी ने कहा कि 4 मई, 2018 से 27 अक्टूबर, 2020 के बीच निर्मित मॉडलों की 1,81,754 इकाइयों में खराबी की जांच करने को लेकर यह निर्णय लिया गया है। संभावित सुरक्षा खामियों को दूर करने के लिए विश्व स्तर पर इस तरह के अभियान चलाए जाते हैं। मारुती सुजुकी ने कहा, ''ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए मारुति सुजुकी ने बिना कोई शुल्क लिए मोटर जेनरेटर पुर्जे की जांच/बदलने के लिए प्रभावित वाहनों को स्वेच्छा से वापस बुलाने का निर्णय लिया है। वाहन विनिर्माता ने कहा कि प्रभावित गाड़ियों के मालिकों को कंपनी की आधिकारिक कार्यशाला द्वारा संपर्क किया जा रहा है। कंपनी ने कहा कि पुर्जा बदलने का काम नवंबर 2021 के पहले सप्ताह से शुरू हो जाएगा, तब तक ग्राहकों से अनुरोध है कि वे जलजमाव वाले क्षेत्रों में वाहन चलाने से बचें।

श्रीलंकाई एयरलाइंस ने हैदराबाद-कोलंबो उड़ान फिर से शुरू की

हैदराबाद (एजेंसी)।
डेढ़ साल से अधिक के अंतराल के बाद, श्रीलंकाई एयरलाइंस ने शुक्रवार को हैदराबाद से कोलंबो के लिए अपनी सीधी उड़ान सेवा फिर से शुरू कर दी है। उड़ानें सप्ताह में दो बार - सोमवार और शुक्रवार को संचालित होंगी। जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड और श्रीलंकाई एयरलाइंस के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य हवाईअड्डा हितधारकों की उपस्थिति में विमान ने सुबह 9.55 बजे 120 यात्रियों को लेकर हैदराबाद से कोलंबो के लिए हवाई अड्डे पर काफी धूमधाम से उड़ान भरी। जीएचआईएएल के सीईओ प्रदीप पनिकर ने कहा कि श्रीलंका सभी उम्र के भारतीय यात्रियों के बीच अत्यधिक मांग वाले पर्यटन स्थलों में से एक है। हैदराबाद और कोलंबो से जुड़ने वाला यह नॉनस्टॉप मार्ग तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के यात्रियों को श्रीलंका के कई खूबसूरत स्थलों के करीब लाएगा। हमें खुशी है कि श्रीलंका एयरलाइंस ने हैदराबाद के लिए अपनी सेवाओं का विस्तार किया है । उन्होंने आशा व्यक्त की कि नई उड़ान को दक्षिण भारत के लोगों से जबरदस्त स्वीकृति मिलेगी। उन्होंने कहा कि जीएमआर हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा नए अंतरराष्ट्रीय मार्गों की खोज जारी रखे हुए है और हम जल्द ही कई और रोमांचक स्थलों को जोड़ने की उम्मीद करते हैं। श्रीलंकाई एयरलाइंस के क्षेत्रीय प्रबंधक, भारत, बांग्लादेश और नेपाल, वी रविंद्रन ने कहा कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना श्रीलंका के लिए प्रमुख बाजार हैं और श्रीलंकाई एयरलाइंस तेलंगाना से बाहर आवृत्तियों या क्षमता में और विस्तार की उम्मीद कर रही है । श्रीलंका एक यात्री के लिए स्वर्ग के समान है। भारतीय आगंतुकों के लिए पसंदीदा देशों में से एक, इसमें चाय के बागान और झरने, उष्णकटिबंधीय समुद्र तट, वन्यजीव, ऐतिहासिक स्मारक और मंदिर हैं। यह नए मेरिड कपल के लिए बेहतरीन हनीमून डेस्टिनेशन है, वहीं साहसिक खेल प्रेमियों और परिवारों के लिए भी एक ड्रीम डेस्टिनेशन है। दक्षिण और मध्य भारत का प्रवेश द्वार, हैदराबाद एक पसंदीदा और सबसे बड़ा ट्रांजिट हब है, जो आसपास के शहरों विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, नागपुर, भुवनेश्वर, राजमुंदरी, भोपाल और तिरुपति से आने वाले यात्रियों के लिए सुविधाजनक निकटता प्रदान करता है।

वित्त वर्ष 2022 में देश के सीएडी को 1 फीसदी से अधिक आर्थिक गतिविधियों में तेजी

नई दिल्ली। आर्थिक गतिविधियों में तेजी और इसके परिणामस्वरूप आयात में वृद्धि के साथ, भारत के वित्त वर्ष 2022 में सीएडी की स्थिति में तेजी से बदलने की उम्मीद है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज (केआईई)के रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 22 में देश का चालू खाता घाटा सकल घरेलू उत्पाद में 1.1 प्रतिशत रहने की संभावना है, डॉलर के मुकाबले रुपये में मजबूती और आने वाले समय में 72.5-74 रुपये के दायरे में रहेगा। पिछले साल कोविड - 19 महामारी और देशव्यापी लोकडाउन ने वित्त वर्ष 2021 की अप्रैल-जून तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में 24 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ देश में आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित किया है। वित्त वर्ष 2021 के पूरे वर्ष के लिए, चालू खाता शेष ने सकल घरेलू उत्पाद का 0.9 प्रतिशत का अधिशेष दर्ज किया, जबकि वित्त वर्ष 2020 में व्यापार घाटे में 0.9 प्रतिशत की कमी रही है। वित्त वर्ष 2015 में व्यापार घाटा 157.5 अरब डॉलर से घटकर 102.2 अरब डॉलर हो गया। यह पहली बार था जब देश ने 17 वर्षों में वार्षिक चालू खाता अधिशेष दर्ज किया। लेकिन यह अधिशेष मुख्य रूप से सिकुड़ती आर्थिक गतिविधियों के कारण आयात में मंदी रही है। केआईई ने अपनी रिपोर्ट में कहा, हम उम्मीद करते हैं कि समग्र बाहरी क्षेत्र सहज रहेगा, लेकिन व्यापार घाटे, उच्च कमोडिटी की कीमतों और अमेरिका में नीति सामान्यीकरण और कोविड मामलों के प्रसार से जोखिमों के अधीन होगा। फेड चेयर द्वारा नरम बयानबाजी के बाद वैश्विक आर्थिक आंकड़ों को कमजोर करने, आरबीआई के हस्तक्षेप को कम करने और भारी, हालांकि ढेलेदार, एफआईआई कर्ज में प्रवाहित होने के बाद रुपया हाल ही में व्यापक रूप से डॉलर की कमजोरी से सहायता प्राप्त कर रहा है। केआईई को उम्मीद है कि यह सराहनीय पूर्वाग्रह निकट अवधि में जारी रहेगा, विशेष रूप से आने वाले महीनों में बड़ी संख्या में बड़े आईपीओ और व्यापक ब्याज दर अंतर की निरंतरता को देखते हुए। हालांकि, 2021 के अंत तक आसन्न फेड टेंपर और घरेलू व्यापार घाटे को बढ़ाने से धीरे-धीरे रुपये पर असर पड़ना चाहिए।

लेनोवो आइडियापैड स्लिम 5 प्रो लैपटॉप भारत में हुआ लॉन्च

नई दिल्ली (एजेंसी)।
लेनोवो ने शुक्रवार को भारतीय बाजार में आइडियापैड स्लिम 5 प्रो लैपटॉप को 11वीं जनरेशन के इंटेल कोर आई7 और एएमडी रायजेन 7 5800एच तक के प्रोसेसर के साथ लॉन्च किया। लेनोवो आइडियापैड स्लिम 5 प्रो अब लेनोवो डॉट कोम, अन्य सभी ईकॉमर्स चैनलों और ऑफलाइन स्टोर्स पर 77,990 रुपये की शुरूआती कीमत पर उपलब्ध है। लेनोवो इंडिया के कंज्यूमर बिजनेस के निदेशक दिनेश नायर ने एक बयान में कहा, आइडियापैड लैपटॉप एक रचनात्मकता, विश्वसनीयता, मल्टी-टास्किंग और सहज पोर्टेबिलिटी का चैंपियन है। यह कई स्मार्ट सुविधाओं के साथ प्रदर्शन करता है, जो इसे एक आदर्श डिवाइस बनाता है। आइडियापैड स्लिम 5 प्रो में 14 इंच का 2.2के आईपीएस एंटी-ग्लेयर डिस्प्ले है। कोई दूसरा वैरिएंट भी चुन सकता है, जिसमें 16-इंच डब्ल्यूक्यू एक्स जीए आईपीएस एंटी-ग्लेयर डिस्प्ले और 350निटस ब्राइटनेस है। 14 इंच वाला वेरिएंट 17.9 मिलीमीटर पतला है और इसका वजन करीब 1.38 किलोग्राम है, जबकि 16 इंच वाला वेरिएंट 18.4 मिलीमीटर पतला और वजन 1.9 किलोग्राम है। यह लैपटॉप 11वीं पीढ़ी के इंटेल कोर आई7 तक और एएमडी रायजेन 7 5800एच प्रोसेसर से लैस है। यह नेवेदिया गीफोर्स, इंटेल ईरिस एक्सइ और एएमडी रेडॉन द्वारा कई ग्राफिक्स विकल्पों के साथ आता है। स्लिम 5 प्रो में डुअल ऐरे माइक्रोफोन भी हैं जो माइक्रोसॉफ्ट कोरटाना और एमाजॉन एलेक्सा के साथ काम करता है। आइडियापैड स्लिम 5 प्रो लैपटॉप बढ़े टचपैड और फंक्शन एरो कीज के साथ आता है, जो वैकल्पिक बैकलाइटिंग के साथ स्पर्श नियंत्रण के लिए बेहतर हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री मोदी और सचिन ने रजत पदक जीतने पर प्रवीण को दी बधाई

नई दिल्ली। टोक्यो पैरालंपिक में ऊंची कूद टी64 वर्ग में रजत पदक अपने नाम करने वाले प्रवीण कुमार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और क्रिकेट लेजेंड सचिन तेंदुलकर ने बधाई दी है। प्रवीण ने एशिया रिकॉर्ड तोड़ते हुए 2.07 मीटर का जम्प कर दूसरा स्थान हासिल किया और भारत को रजत पदक दिलाया। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा, प्रवीण पर गर्व है जिन्होंने पैरालंपिक में रजत पदक अपने नाम किया। यह पदक कड़ी मेहनत और अद्वितीय समर्पण का नतीजा है। उन्हें बधाई और भविष्य के लिए शुभकामनाएं। सचिन ने कहा, रजत पदक जीतने और पुरुष ऊंची कूद टी44 क्लास में एशियाई रिकॉर्ड तोड़ने पर प्रवीण को बधाई। प्रवीण अपने पहले प्रयास में 2.07 मीटर के मार्क को हासिल नहीं कर सके थे। हालांकि, उन्होंने आसानी से दूसरे प्रयास में इसे हासिल किया। ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट अभिनव बिंद्रा ने कहा, वह सिर्फ 18 साल के हैं और पैरालंपिक पदक विजेता बन गए हैं। ऊंची कूद टी44 इवेंट में रजत जीतने पर बधाई प्रवीण। भारतीय पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष और 2016 रियो पैरालंपिक की रजत पदक विजेता दीपा मलिक ने भी प्रवीण को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी।

पैरालंपिक (ऊंची कूद)

प्रवीण ने जीता रजत पदक

टोक्यो।

भारत के पैरा एथलीट प्रवीण कुमार ने शुक्रवार को यहां जारी टोक्यो पैरालंपिक खेलों में पुरुष ऊंची कूद टी 64 इवेंट में रजत पदक जीता। प्रवीण ने 2.07 मीटर के निजी सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। प्रवीण का रजत पदक टोक्यो 2020 में भारत का 11वां पदक रहा। हालांकि, इसके कुछ समय बाद पैरा निशानेबाज अवनि लेखारा ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशन एसएच1 इवेंट में कांस्य पदक जीत देश को 12वां पदक दिलाया।ब्रिटेन के जोनाथन ब्रूम-एडवर्डस ने 2.10 मीटर की अंतिम छलांग के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि पोलैंड के मैसील लेपियाटो ने 2.04 मीटर की छलांग लगाकर कांस्य पदक जीता। प्रवीण के सामने लेपियाटो और जोनाथन की चुनौती थी। लेकिन लेपियाटो तीन प्रयास में 2.07 मीटर की छलांग नहीं लगा सके और लड़ाई जोनाथन और प्रवीण के बीच सीमित रही। जोनाथन ने दूसरे प्रयास में 2.10 मीटर की छलांग लगाई लेकिन प्रवीण तीनों प्रयास में उनके स्कोर की बराबरी नहीं कर सके और 2.07 मीटर के साथ उन्होंने अपनी चुनौती समाप्त की जो उनका निजी बेस्ट स्कोर और एशियाई रिकॉर्ड रहा। प्रवीण का पैरालंपिक में यह पहला पदक है। उन्होंने इससे पहले 2019 विश्व पैरा एथलेटिक्स जूनियर चैंपियनशिप में पुरुष ऊंची कूद टी44 इवेंट में रजत पदक जबकि दुबई में इस साल हुए फाजा ग्रां प्री विश्व पैरा एथलेटिक्स में एशियाई रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता था। दिलचस्प बात यह भी है कि प्रवीण को कुछ वर्षो पहले तक पैरा खेल या ऊंची कूद के बारे में कुछ पता नहीं था। उन्हें वॉलीबॉल में रूचि थी लेकिन एक बार उन्होंने ऊंची कूद प्रतियोगिता में भाग लिया और उन्हें एथलेटिक्स विशेषकर ऊंची कूद से लगाव हो गया।

पैरालंपिक (निशानेबाजी) : अवनि ने महिला 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशन में जीता कांस्य

टोक्यो।

भारत की पैरा निशानेबाज अवनि लेखारा ने यहां जारी टोक्यो पैरालंपिक में महिला 50 मीटर राइफल थ्री पॉजिशन एसएच 1 इवेंट में कांस्य पदक अपने नाम किया। अवनि का इस पैरालंपिक में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 वर्ग में 249.6 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता था। अवनि के पदक जीतने के साथ ही भारत ने टोक्यो में अबतक 12 पदक अपने नाम किए हैं। अवनि 445.9 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इस इवेंट का स्वर्ण पदक चीन की कुलपिंग झांग ने जीता जिन्होंने 457.9 का स्कोर किया जबकि जर्मनी की नतास्चा हिलट्रोप ने 457.1 अंक लेकर रजत पदक अपने नाम किया। भारत ने दिन का दूसरा पदक अपने नाम किया है। अवनि से पहले प्रवीण कुमार ने पुरुष ऊंची कूद टी 64 इवेंट में देश को रजत पदक दिलाया। अवनि इसके साथ ही एक पैरालंपिक में एक से ज्यादा पदक जीतने वाली पहली महिला और दूसरी भारतीय पैरा एथलीट बन गई हैं। उनसे पहले जोगिंद सिंह बेदी ने एक पैरालंपिक में एक से ज्यादा पदक जीते थे। बेदी ने 1984 में स्टोक मांदेविले में हुए पैरालंपिक में शॉट पुट एल 6 में रजत और भाला फेंक एफ 46 तथा डिस्कस थ्रो एल 6 इवेंट में कांस्य पदक अपने नाम किया था। अवनि अब रविवार को मिक्सड 50 मीटर राइफल प्रोन एसएच 1 इवेंट में प्रतिस्पर्धा करती नजर आएंगी। भारत ने टोक्यो पैरालंपिक में अबतक दो स्वर्ण, छह रजत और चार कांस्य सहित कुल 12 पदक अपने नाम किए हैं।

यूएस ओपन : आंद्रेस्कू ने तीसरे दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क। छठी सीड कनाडा की बियांका आंद्रेस्कू ने अमेरिका की लॉरेन डेविस को हराकर यहां जारी यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में जगह बनाई। 2019 की चैंपियन आंद्रेस्कू ने डेविस को लगातार सेटों में 6-4, 6-4 से हराया। आंद्रेस्कू ने मैच के दौरान अमेरिकी खिलाड़ी की सर्विस छह बार तोड़ी। आंद्रेस्कू ने मैच में 19 विनर्स लगाए और 23 बेजां भूलें की जबकि डेविस ने 11 विनर्स और 18 बेजां भूलें की। उन्होंने डब्ल्यूटीए टेनिस डॉट कॉम से कहा, यह मुकाबला आसान नहीं था। कई करीबी मामले थे। यहां अंक होते हैं जिसे काउंट किया जाता है। आंद्रेस्कू का अगले राउंड में सामना बेल्जियम की ग्रीट मिनेन से होगा। विश्व की 104वें नंबर की खिलाड़ी ने रूस की लिउदमिला सैमसोनोवा को हराकर तीसरे दौर में जगह बनाई है।

पैरालंपिक (तीरंदाजी) : हरविंदर ने भारत के लिए तीरंदाजी में जीता पहला पदक, हासिल किया कांस्य

टोक्यो।

भारत के पैरा तीरंदाज हरविंदर सिंह ने यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक में पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व ओपन में कांस्य पदक अपने नाम किया। हरविंदर ने शुक्रवार को यूमेनोशिमा फाइनल फील्ड में शूटआउट में दक्षिण कोरिया के किन मिन सू को 6-5 से हराया। हरविंदर रैंकिंग राउंड में 21वें स्थान पर रहे थे और उन्होंने सेमीफाइनल में अमेरिका के केविन माथेर से मिली हार से पहले तीन एलिमिनेशन मुकाबले जीते। भारत का पैरालंपिक में तीरंदाजी इवेंट में यह पहला पदक है और टोक्यो पैरालंपिक में दिन का तीसरा तथा कुल 13वां पदक है। कांस्य पदक मुकाबले में हरविंदर ने पहला सेट 26-24 से अपने नाम किया लेकिन कोरियाई खिलाड़ी ने वापसी करते हुए दूसरा सेट 29-27 से अपने नाम किया। तीसरे सेट में हरविंदर ने 28 का स्कोर किया जबकि किम 25 का स्कोर ही कर सके। हरविंदर ने 4-2 की बढ़त ली और उन्हें पदक जीतने के लिए अगला राउंड अपने नाम करने की जरूरत थी। लेकिन चौथे सेट में दोनों तीरंदाजों ने 25-25 का स्कोर किया और दोनों को एक-एक अंक मिला। पांचवें सेट में हरविंदर ने 26 का स्कोर किया लेकिन किम ने उनसे एक अंक ज्यादा का स्कोर कर मुकाबले को शूटआउट तक पहुंचाया। शूटआउट में किम ने आठ का जबकि हरविंदर ने 10 का शॉट खेला। इसी तरह भारत ने पहली बार तीरंदाजी में पैरालंपिक खेलों में कांस्य पदक जीता। भारत ने इस टोक्यो पैरालंपिक में अबतक दो स्वर्ण, छह रजत और पांच कांस्य पदक सहित कुल 13 पदक अपने नाम किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

भाला क्रिकेट के बल्ले की तरह प्रसिद्ध हो जाएगा : अनुराग

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को चार पैरालंपिक पदक विजेताओं का सम्मान किया जिसमें भाला फेंक एफ 64 के स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल शामिल हैं। खेल मंत्री ने इस दौरान उम्मीद जताई कि भाला भारत में क्रिकेट के बल्ले की तरह ही लोकप्रिय हो जाएगा। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग का बयान ऐसे समय आया है जब नीरज चोपड़ा के ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद चार पैरा एथलीटों ने भाला फेंक इवेंट में पदक जीते हैं। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ने कहा, मुझे उम्मीद है कि भारत में भाला अब क्रिकेट के बल्ले की तरह प्रसिद्ध होगा। एथलीट्स देवेंद्र झाझरिया (भाला फेंक एफ46 रजत पदक), योगेश काथुनिया (डिस्कस थ्रो एफ56 रजत) और शरद कुमार (ऊंची कूद टी63 कांस्य पदक) यहां बैठे हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय खेल दिवस के मौके पर भारत ने चार पदक जीते और इससे अच्छी श्रद्धांजलि मेजर ध्यान चंद जी को नहीं मिल सकती। एथलीटों ने काफी मेहनत की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रोत्साहन ने भी बड़ी भूमिका निभाई है। खेल मंत्री ने कहा, सरकार ने देश में खेल इकोसिस्टम में सुधार किया है और वो टॉप्स स्कीम के तहत एथलीटों का समर्थन करती रहेगी। खेल राज्य मंत्री निसिथ प्रमाणिक और मंत्रालय के अधिकारी भी इस मौके पर मौजूद थे।

स्वर्ण पदक विजेता सुमित और रजत पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया का शानदार स्वागत

नई दिल्ली।

टोक्यो पैरालंपिक खेलों में भाला फेंक (एफ-64) इवेंट के स्वर्ण पदक विजेता सुमित अंतिल और रजत पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी देवेंद्र झाझरिया का यहां इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उड़ान के देर से आने और हवाई अड्डे पर कड़े कोविड -19 प्रोटोकॉल के कारण नीरज चोपड़ा और अन्य ओलंपिक एथलीटों की तुलना में हवाई अड्डे पर कम प्रशंसक थे। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) और भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के अधिकारी और प्रशंसक खिलाड़ियो का स्वागत करने के लिए वहां मौजूद थे। सुमित, झाझरिया और डिस्कस थ्रो में रजत पदक जीतने वाले योगेश काथुनिया का आगमन लाउंज में पहुंचने पर मालाओं और गुलदस्ते के साथ स्वागत किया गया। सुमित ने भाला फेंक एफ 64 फाइनल में स्वर्ण पदक जीत कर नया विश्व रिकॉर्ड बनाया था। उन्होंने 2019 में 62.88 के अपने पुराने स्कोर में सुधार करते हुए 68.55 मीटर का स्कोर किया। पैरालंपिक खेलों दो बार के स्वर्ण पदक विजेता झाझरिया का तीसरा स्वर्ण जीतने का सपना अधूरा रह गया। हालांकि, भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी झाझरिया ने एफ46 वर्ग में देश को रजत पदक दिलाया।

यूएस ओपन : जोकोविच ने तीसरे दौर में बनाई जगह

न्यूयॉर्क।

दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने नीदरलैंड के तालोन ग्रिएक्सपूर को हराकर यहां जारी वर्ष के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन के तीसरे दौर में जगह बना ली है। जोकोविच ने एक घंटे 39 मिनट तक चले मुकाबले में ग्रिएक्सपूर को 6-2, 6-3, 6-2 से हराया। जोकोविच ने मुकाबले में 32 विनर्स लगाए और 20 बेजां भूलें की। जोकोविच ने कहा, शानदार प्रदर्शन, पहले राउंड के मुकाबले से अच्छा किया। मैंने जिस तरह कोर्ट में प्रदर्शन किया उससे खुश हूं। मैंने अच्छे से सर्विस की और लय बरकरार रखी। जोकोविच का तीसरे दौर में सामना पूर्व नंबर-4 जापान के केई निशिकोरी से मुकाबला होगा जिन्होंने अमेरिका के मैकेंजी मैकडोनाल्ड को तीन घंटे 57 मिनट तक चले मुकाबले में 7-6(3), 6-3, 6-7(5), 2-6, 6-3 से हराया। निशिकोरी ने कहा, मुझे चुनौतियां पसंद है। वह टेनिस के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। वह ऐसे नहीं हैं जिनके खिलाफ मैं किसी भी वक्त खेलना पसंद करता हूं क्योंकि जोकोविच कड़े प्रतिद्वंद्वी हैं। लेकिन मैं अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा।

इस टीम को अगले स्तर पर ले जाने का लक्ष्य: पुरुष हॉकी कोच रीड

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच ग्राहम रीड ने ओलिम्पिक कांस्य पदक जीतने वाली टीम को आत्ममुग्धता से बचने की सलाह देते हुए कहा कि अगले छह महीने यह विश्लेषण करने और समझने में बीतेगा कि टीम अपने प्रदर्शन को अगले स्तर तक कैसे पहुंचा सकती है। भारतीय टीम ने पिछले महीने तोक्यो खेलों में ओलिम्पिक पदक के 41 साल के इंतजार को खत्म करते हुए कांस्य पदक जीता था। रीड ने कहा कि इस समय हम तीसरे (विश्व रैंकिंग) स्थान पर हैं, ऑस्ट्रेलिया और बेल्जियम लगातार खेल के उच्च स्तर पर रहे हैं। हमें उस स्तर तक पहुंचने में सक्षम होने की जरूरत है। इस टीम के लिए मेरा यही मेरा लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि हम अगले छह महीनों में केवल अपने नहीं, बल्कि विभिन्न टीमों के खेलों का विश्लेषण करेंगे। हम उस अगले स्तर तक पहुंचने के लिए जो भी जरूरी होगा उसकी एक योजना तैयार करेंगे। रीड ने कहा कि यह एक शानदार खिलाडियों का समूह है, और हम उन चीजों पर काम करेंगे जो हमें करने की जरूरत है। हमें सुधार करते रहना होगा और बेहतर होते रहना होगा। टीम इस बात को समझती है कि 41 साल बाद ओलंपिक में कांस्य पदक जीतना बड़ी उपलब्धि है लेकिन सुधार की बहुत अधिक संभावनाएं हैं.

पैरालंपिक (कैनोइंग स्प्रिंट) : फाइनल में आठवें स्थान पर रहीं प्राची, पदक से चूकीं

टोक्यो।

भारतीय पैरा कैनोइंग स्प्रिंटर प्राची यादव शुक्रवार को यहां चल रहे टोक्यो पैरालंपिक के वा सिंगल 200 मीटर वीएल 2 के फाइनल में आठवें स्थान में रहीं और पदक हासिल करने से चूक गईं। प्राची, जिन्होंने शुक्रवार को पहले सेमीफाइनल की दौड़ में तीसरा स्थान हासिल करके फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था, उन्होंने फाइनल में 1:07.329 का समय तय किया पर ग्रेट ब्रिटेन की एम्मा विग्स से पीछे रहीं, जिन्होंने 200 मीटर का कोर्स 57.028 के समय में पूरा किया। ऑस्ट्रेलिया की सुसान सीपेल ने 1:01.481 का समय लेकर रजत और ग्रेट ब्रिटेन की जीनत चिपिंगटन ने 1:02.149 का समय लेकर कांस्य पदक हासिल किया। मध्य प्रदेश के भोपाल की 26 वर्षीय प्राची पोलियो से ग्रस्त हैं, जिसकी वजह से उनकी कमर के नीचे के हिस्से में लकवा मार चुका है और वह नाव को हिलाने के लिए अपने ऊपरी शरीर का उपयोग करती हैं। उन्होंने सेमीफाइनल में 1:07.397 का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई थी। उन्हें सी फॉरेस्ट वाटरवे पर पांच नावों की दौड़ में ग्रेट ब्रिटेन की जीनत चिपिंगटन (1:01.167) और कनाडा की ब्रायना हेनेसी (1:06.316) के बाद तीसरा स्थान मिला था। हालांकि, प्राची अपने इस प्रदर्शन को फाइनल में दोहरा नहीं सकीं और आठवें स्थान पर रहकर सबसे आखिर में रहीं। प्राची ने 2018 में पैरा-तैराकी से कैनोइंग स्प्रिंट की ओर रुख किया और अपने कोच मयंक ठाकुर द्वारा डिजाइन की गई एक अस्थायी नाव पर खेल सीखा। वह भोपाल की एक झील में प्रशिक्षण लेती है। वह 2007 से पैरा-स्पोर्ट्स में है, जब से उन्होंने तैरना शुरू किया था।

मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे धोनी से बात करने का मौका मिला है : अनुज रावत

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के युवा खिलाड़ी अनुज रावत का कहना है कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें टीम इंडिया के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के साथ बात करने का मौका मिला है। अनुज ने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे धोनी के साथ कुछ बार बात करने का मौका मिला है। मैंने उनसे सिर्फ उनके बारे में पूछा कि उनका क्या मतलब है जब उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि एक एथलीट को खुद के साथ ईमानदार होना चाहिए, जिस पर उन्होंने यह कहते हुए जवाब दिया कि एक एथलीट को यह जानने के मामले में खुद के साथ ईमानदार होना चाहिए कि वह क्या सही कर रहा है और क्या गलत कर रहा है। उन्होंने कहा, इसका मतलब था कि यदि आप एक दिन आलसी महसूस कर रहे हैं और एक प्रशिक्षण सत्र छोड़ देते हैं, तो आपको पता होना चाहिए कि यह गलत है और यह कि आप ही हैं जो आपके शरीर को धोखा देने के लिए जिम्मेदार हैं। अनुज ने कहा, मुझे काफी खुशी है कि मैंने राजस्थान के लिए आईपीएल डेब्यू किया है। सीजन का स्थगित होना दुखद था लेकिन तालिका में पांचवें नंबर पर होने से मेरे ख्याल से हम दूसरे चरण में अच्छे से शुरूआत कर पाएंगे। उन्होंने कहा, यह याद रखना चाहिए कि हमारे कुछ खिलाड़ियों का जाना पड़ा और कुछ खिलाड़ी ज्यादातर सीजन में उपलब्ध नहीं रहेंगे, मुझे लगता है कि ओवरऑल टीम का यह अच्छा प्रदर्शन था। मुझे यकीन है कि हम अगले सात मैचों में अच्छा करेंगे और प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने में सफल होंगे।

यू.एस. ओपन : एश बार्टी , एंजेलिक कर्बर ने जीते अपने मुकाबले

न्यूयॉर्क । महिलाओं में शीर्ष रैंकिंग की खिलाड़ी एश बार्टी को जीत दर्ज करने में ज्यादा परेशानी नहीं हुई। जुलाई में विंबलडन सहित दो बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन बार्टी, तीन बार की ग्रैंड स्लैम विजेता एंजेलिक कर्बर, टोक्यो ओलिम्पिक की स्वर्ण पदक विजेता बेलिंडा बेनसिच, दो बार विंबलडन खिताब विजेता पेट्रा क्वितोवा और विश्व रैंकिंग में 14वें स्थान पर काबिज अनास्तासिया पावलुचेनकोवा, रैंकिंग में 17 स्थान पर काबिज मारिया सक्कारी, जेसिका पेगुला और एनेट कोंटावेइट जैसी अन्य वरीयता प्राप्त महिला खिलाड़ी तीसरे दौर में पहुंचने में सफल रहीं। दो सत्र पहले यहां की चैम्पियन बियांका आंद्रेस्कू ने लौरीन डेविस को 6-4, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट (2019 और 2021) में लगातार नौवीं जीत दर्ज की। ओलिम्पिक स्वर्ण पदक विजेता और 2020 अमरीकी ओपन उपविजेता अलैक्जेंडर ज्वेरेव, 2021 विंबलडन के उपविजेता माटेओ बेरेटिनी, विश्व रैंकिंग के 17वें नंबर के खिलाड़ी गेल मोनफिल्स और अमरीका के 22वी वरीयता प्राप्त रेली ओपेल्का भी दूसरे दौर में जीत के साथ आगे बढने में सफल रहे। इससे पहले टूर्नामेंट के चौथे दिन का खेल बारिश और तूफान से प्रभावित हुआ। इस वजह से मुकाबले अपने तय समय 11 बजे से शुरू नहीं हो सके और इसे दोपहर बाद से खेला गया।

ऊसर भूमि को बनाया जा सकता है उपजाऊ

ऊसर वह कहलाती भूमि कहलाती है, जिसमें कुछ भी पैदा नहीं होता। यदि होता भी है तो बहुत ही नाममात्र के लिए। भूमि में ऊसरीलापन मिट्टी में लवणता या क्षारीयता अथवा दोनों की ही अधिकता के कारण होता है। ऊसर भूमि तीन प्रकार की होती है-

1. लवणीय मृदा- इस प्रकार की मृदा में घुलनशील सोडियम नमक की अधिकता होती है।

पहचान- स्थानीय भाषा में इस मृदा को रेह, रेहटा या नमकीन मृदा (सेलाइन स्वाइल) कहते है। ऐसी मृदा में भूमि की सतह पर उभरे, फूले, सफेद, सिलेटी रंग के लवण दिखाई देते है जो कि समूहों व टुकड़ों में मिलते है। ऐसी भूमि पर चलने पर अच्छा लगता है। लवणीय भूमि की सतह की मृदा एवं उसके नीचे की मृदा कड़ी एवं कम्पैक्ट नहीं होती है।

2. लवणीय-क्षारीय मृदा- इस प्रकार की मृदा में घुलनशील सोडियम की अधिकता के साथ-साथ विनिमयशील सोडियम की भी अधिकता होती है।

पहचान- साधारण भाषा में इस मृदा को ऊसर, रेह कहते है। इस मृदा में लवणीय-क्षारीय भूमि के मिले जुले गुण रहते है। भूमि की ऊपरी सतह भूरे रंग की होती है जिस पर रेह या सफेद लवण प्रचुर मात्रा में रहते है तथा नीचे की सतह क्षारीय भूमि की भांति सख्त होती है। इस भूमि में नीचे कंकड़ भी मिलता है। ऐसी मृदाओं में टुकड़ों में कहीं-कहीं पर सतह पर लवण व कहीं-कहीं पर ऊसर घास भी दिखाई देती है।

क्षारीय मृदा- क्षारीय मृदा देखने में काली या स्लेटी रंग की होती है। प्रदेश में पायी जाने वाले क्षारीय मृदा में विनियमशील सोडियम की अधिकता होती हे तथा इसका सुधान मृदा सुधारक यथा जिप्सम, पायराइट आदि के उपयोग के बिना संभव नहीं होता है।

पहचान- इस मृदा को स्थानीय भाषा में ऊसर, बजर, कल्लर या एल्कली स्वाइल कहते है। भूमि चौरस जिस पर काले भूरे रंग के अवशेष पदार्थ धब्बों के रूप में दिखाई देते है। ऐसी भूमि की सतह सीमेंट की भांति बहुत कड़ी और कम्पैक्ट होती है। भूमि की भौतिक दशा बहुत खराब होती है जिससे गड्ढ़ों में पानी बहुत दिनों तक भरा रहता है।

ऊसर बनने के कारण

- वर्षा अधिक किन्तु जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होना।
- भूमिगत जल स्तर ऊँचा होना।
- नहरी क्षेत्रों में जल रिसाव का होना।
- भूमि को अधिक समय से परती छोड़ना।
- कम वर्षा एवं तापमान का अधिक होना।

ऊसर भूमि को सुधारने के लिए निम्नलिखित कदम उठाये जाते हैं-

1. मेड़बन्दी- ऊसर सुधार के लिए ऊसरीले खेतों में ऊँची और मजबूत मेड़ बनाने का कार्य सितम्बर-अक्टूबर तक अवश्य पूर्ण कर लेना चाहिए। (मेंड का आधार 90 सेमी. ऊँचाई 30 सेमी., टाप 30 सेमी. तथा सेक्शन एरिया 0.18 वर्ग मी. होना चाहिए)

2. स्क्रेपिंग- जिन खेतों में लवण की सफेद चादर सी दिखाई देती है उन खेतों में मृदा की ऊपरी परत को फावड़ा की सहायता से खुरचकर इकट्ठा कर उसे किसी गहरे गड्ढे में दबा देते हैं अथवा बड़े नाले के द्वारा बहते हुए पानी में गिरा देते हैं।

3. सब प्लाटिंग- अच्छे ऊसर सुधार हेतु खेत को छोटे-छोटे टुकड़ों में (लगभग 18-20 डेसीबल) बनायें।

4. जुताई/समतलीकरण- ऊसर खेतों का सुधार तभी संभव है जब खेत ठीक से समतल किया गया हो। इसके लिए सूक्ष्म समतलीकरण करने हेतु लेजर लेवलर के द्वारा समतलीकरण किया जाय जिसे कृषि विभाग के उप कृषि निदेशक से सम्पर्क कर उपयोग में लाया जा सकता है।

5. खेत नाली (लिंक ड्रेन)- सभी ऊसरीले खेतों में भूमि के ढाल के अनुसार निचली तरु या दो खेतों के बीच की मेड़ को फाड़कर फील्ड ड्रेन तैयार की जाती हे जिसका दूसरा सिरा सम्पर्क नाली (लिंक ड्रेन) से जोड़ा जाता है। (आकार-मुंहफाड़ 90 सेमी. गहराई 30 सेमी., तली 30 सेमी. तथा सेक्शन एरिया 0.18 वर्ग मी.)

6. जल उपयोग समूहों से निकली खेत नालियों (फील्ड ड्रेन) को सम्पर्क नाली में गिराया जाता हे। सम्पर्क नाली का एक सिरा मुख्य नाले में गिरता है। आकार-मुंहफाड़ 165 सेमी. गहराई 60 सेमी. तली 45 सेमी. तथा सेक्शन एरिया 0.63 वर्ग मी. (100 हे. हेतु)।

7. मुख्य नाला- ऊसरीले खेतों से लवणीय पानी खेत नाली के द्वारा लिंक ड्रेन में तथा लिंक ड्रेन को मुख्य नाला से जोड़ा जाता है। मुख्य नाला पूरे ऊसर क्षे9 के लवणीय पानी को नदी में ले जाता है। इसकी खुदाई एवं सफाई का कार्य सिंचाई विभाग द्वारा कराया जाता है।

8. बोरिंग- प्रत्येक जल उपयोग समूह के 4 हे. क्षेत्र में सिंचाई की सुनिश्चित व्यवस्था हेतु बोरिंग के अभाव में समूह के सबसे ऊंचे खेत में बोरिंग प्रस्तावित कर निगम द्वारा बोरिंग हेतु पी.वी.सी. पाइप, रिफ्लेक्स वाल्व के साथ ही बोरिंग मैकिनिक एवं मजदूरों हेतु सफल बोरिंग होने पर मापन के अनुसार निगम द्वारा समूह के खाते में भुगतान किया जाता है।

9. नलकूप व्यवस्था- पम्पसेट की व्यवस्था बोरिंग धारक को स्वयं से अपने संसाधनों द्वारा समूह के सामूहिक सहयोग से क्रय किया जाता है। इस हेतु निगम द्वारा कोई अनुदान की सुविधा नहीं दी जाती है।

10. सिंचाई नाली- आकार-मुंहफाड़ 120 सेमी. गहराई 30 सेमी. तली 30 सेमी. तथा सेक्षन एरिया 0.225 वर्ग मी.।

11. फ्लैशिंग- लवणीय मृदा से फ्री साल्ट को पानी में घोलकर निकालने हेतु ऊसरीले खेतों में 15 सेमी. ऊंचा 48 घण्टे हेतु पानी भरते है जिसमें घुलशील लवण पानी में घुल जाते है जिसे जल निकास नाली द्वारा बाहर निकाल दिया जाता है। इस सम्पूर्ण क्रिया को फ्लैशिंग कहा जाता है। यह क्रिया सदैव जिप्सम मिक्सिंग से पूर्ण की जाती है।

12. जिप्सम मिक्सिंग- फ्लैशिंग के उपरांत ओट आने पर भूमि की श्रेणी के अनुसार प्राप्त करायी गयी जिप्सम के बैग को समान-समान दूरी पर खोलते है। तत्पश्चात् हाथ से पूरे खेत में एक समान जिप्सम बिखेर कर कल्टीवेटर द्वारा हल्की जुताई (3-5 सेमी.) करते हैं एवं पाटा नहीं लगाते है। जिप्सम मिक्सिंग का उपयुक्क् समय जून माह होता है।

13. लीचिंग- जिप्सम मिक्सिंग के उपरांत (15 जून से 30 जून के मध्य) खेतों में 15 सेमी. ऊंचा पानी भरते है जिसे 10-12 दिन बाद जल निकास नाली के द्वारा निकाल देते हैं। यदि बीच में पानी सूख जाता है तो उसमें पुनः बोरिंग द्वारा पानी भर जाता है।

ऊसरीले खेतों में जीवांश खाद/कार्बनिक खादों का लगातार प्रयोग करने से भी लवणीय मृदा का सुधार होता है।

14- नर्सनी की तैयार- निगम द्वारा ऊसर भूमि हेतु उपलब्ध कराये गये खरीफ निवेश (धान, डी.ए.पी. यूरिया एवं जिंक सल्फेट) को 15 मई के बाद उपजाऊ जमीन में जहां पर सिंचाई का अच्छा साधन हो, वहां पर 60 किग्रा. प्रति हे. की दर से बीज का प्रयोग करते है। रोपाई के क्षेत्र के 1/10 हिस्से में धान की नर्सरी डाली जाती है।

15. रोपाई- जब धान की नर्सरी 35 दिन की हो जाय तो उसकी रोपाई लीचिंग के उपरांत बोरिंग से अच्छा पानी भरकर एक वर्ग मी. में 65-70 स्थान पर 4-5 पौधों की रोपाई 25 जून से 10 जुलाई के बीच सम्पन्न कर लेते है।

16. धान फसल की देखभाल- रोपाई के एक सप्ताह बाद खेत से पानी निकाल दें। कुछ सूखने के बाद यदि वर्षा न हो तो धान की सिंचाई करें। पानी भरे रहने के कारण ऊसरीली मृदा में लवण की अधिकता से हरी काई का प्रकोप होता है। इसके लिए खुली धूप में 0.2-0.3 प्रतिशत कापर सलफेट (तूतिया) का घोल बनाकर छिडकाव करें अथवा सूखी झाड़ी से काई को तोड़कर जल निकास नाली से बाहर बहा दें। धान की फसल हेतु दी जाने वाली यूरिया की मात्रा को बराबर-बराबर चार भागों में बांटकर पहला भाग रोपाई के 13-15 दिन, दूसरा भाग 27-30 दिन, तीसरा भाग 45-50 दिन तथा चौथा भाग बालियां निकलते समय (65-70) दिन पर प्रयोग किया जाय।

17. धान की कटाई- जब धान की बालियां पीली पड़कर नीचे की तरफ झुकने लगे तो ऐसी दशा में धान की कटाई जमीन की सतह से 6 इंच ऊपर से करते है।

18- गेहूं के खेत की तैयारी करना- धान के ठूंकों को सड़ाने के लिए नमी की अवस्था में 40 किग्रा. यूरिया प्रति हे. बुरकाव कर हैरो/कल्टीवेटर द्वारा जुताई कर पाटा चला देते है। एक सप्ताह के बाद कल्टीवेटर से जुताई कर खेत की तैयारी कर लेते है। जिन क्षेत्रों में धान की कटाई विलम्ब से हो वहां पर सीधे जीरोटिल फर्टीसीड ड्रिल से बुवाई करें।

19. गेहूं की देखभाल- यदि बीज पहले से शोधित नहीं है तो बोने से पूर्व बीज को कार्बान्डाजिम अथवा कार्बाक्सिन रसायन 2.5 प्रति किग्रा. बीज (100 किग्रा. में 250 ग्राम दवा) की दर से शोधित कर बोवाई करें। बुवाई के समय बेसल के रूप में 96 किग्रा. यूरिया, 87 किग्रा. डी.ए.पी., 33 किग्रा. म्यूरेट ऑफ पोटाश तथा 25 किग्र्रा. जिंक सल्फट प्रति हे. खेत की तैयारी के समय जमीन में मिला देते है तथा जिंक सल्फेट को डी.ए.पी. उर्वरक के साथ मिश्रण कर प्रयोग नहीं करते है। यूरिया की शेष मात्रा को दो भागों में बांटकर प्रथम पहली सिंचाई 28 दिन के बाद ताजमूल अवस्था पर करने के पश्चात ओट पर 65 किग्रा. तथा तीसरी सिंचाई के बाद 60-65 दिन पर गांठ बनने की अवस्थ पर ओट आने पर 65 किग्रा. यूरिया की टाप ड्रेसिंग करते है। गेहूं में पांच सिंचाई की दशा में पहली ताजमूल अवस्था में बुवाई के 28 दिन बाद, दूसरी कल्ले फूटते समय बुवाई के 40-45 दिन बाद, तीसरी गांठ बनने बनने पर 60-65 दिन बाद, चौथी बाली निकलते समय बुवाई के 80-85 दिन बाद, पांचवी दूधिया अवस्था में बुवाई के 100-105 दिन तथा छठी दान पकने पर 115-120 दिन पर सिंचाई करते है। यदि मात्र तीन ही सिंचाई उपलब्ध है तो पहली ताजमूल बुवाई के 28 दिन बाद, दूसरी गांठ बनने पर बुवाई के 60-65 दिन बाद, तीसरी दूधिया अवस्था में बुवाई के 100-105 दिन बाद सिंचाई करनी चाहिए। ऊसरीले क्षेत्रों में सिंचाई हल्की करनी चाहिए।

20. गेहूं की कटाई-मड़ाई एवं भण्डारण- फसल की बालियां पक जाने पर फसल को तुरन्त काट लेना चाहिए। कटाई के बाद पावर थ्रेशर द्वारा मड़ाई करके अनाज को अलग कर लेना चाहिए। अनाज को सुखाने के उपरांत धातु की बनी बखालियों में भण्डारण करना चाहिए।

21. हरी खाद ढैंचा- अच्छे ऊसर सुधार के लिए ढैंचा की हरी खाद बहुत उपयोगी होती है। हरी खाद के लिए ढैंचा एक सर्वोत्तम फसल है। ऊसर में ढैंचा की आसानी से हरी खाद तैयार की जाती है। एक हे. के लिए 60 किग्रा. बीज की आवश्यकता पड़ती है जिसे 24 घण्टे पानी में भिगोकर उसे जिप्सम से उपचारित कर बुवाई करने से अंकुरण अच्छा होता है। इसमें प्रत्येक 10-15 दिन के अंतराल पर सिंचाई करते हुए 45 दिन पर जब फसल 1.5 से 2.0 फुट लम्बी हो जाय तो नमी की दशा में पावर डिस्क हैरो के द्वारा पलटाई कर देते है (आवश्यकता पडने पर 40 किग्रा. हे. यूरिया का छिड़काव भी किया जा सकता है जिसे अगली फसल में दी जाने वाली यूरिया की मात्रा से कम कर देना चाहिए) ढैंचा की फसल से जीवांश पदार्थ के साथ लगभग एक बोरी यूरिया के बराबर नत्रजन की जमीन में बढोत्तरी होती है जो कि जमीन में संरक्षित रहती है। इस प्रकार की प्रक्रिया अपनाने से ऊसर भूमि धीरे-धीरे उपजाऊ हो जाती है। ऊसर भूमि के सुधर जाने के बाद कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें ताकि भूमि फिर से ऊसर न होने पाये।

- सुधारे गये क्षेत्र को कभी खानी न छोड़े।
- जैविक खाद जैसे गोबर की सड़ी खाद, कम्पोस्ट, हरी खादों का अधिकाधिक प्रयोग करें।
- सिंचाई हल्की करें।
- नहरी सिंचाई से बचें।
- जल निकाल का विशेष ध्यान रखें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

अफगानिस्तान में अपना कामकाज बहाल करेगी वेस्टर्न यूनियन: तालिबान

काबुल। तालिबान ने कहा है कि वेस्टर्न यूनियन अफगानिस्तान में अपना कामकाज फिर से शुरू करेगी। इससे नकदी की कमी का सामना कर रहे देश में विदेशी धन के प्रवाह का एक दुर्लभ माध्यम खुल जाएगा। समूह के सांस्कृतिक आयोग के प्रवक्ता अहमदुल्ला मुत्ताकी ने शुक्रवार को इस फैसले की घोषणा की। गौरतलब है कि 15 अगस्त को तालिबान के काबुल पर कब्जा करने के बाद अमेरिकी वित्तीय सेवा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने अफगानिस्तान में अपना कामकाज बंद कर दिया था। इस फैसले से उन अफगानियों को खास राहत मिलेगी जिनके रिश्तेदार विदेशों में रहते हैं।संकटग्रस्त देश में लोग रोजाना सैकड़ों की संख्या में बैंकों के बाहर नकदी निकालने के लिए लाइन लगा रहे हैं।यहां एक दिन की धन निकासी सीमा 200 डॉलर तय है और एटीएम मशीनें काम नहीं कर रही हैं।

इजरायली मिसाइल हमले ने दमिश्क को निशाना बनाया

दमिश्क। इजरायल ने ताजा मिसाइल हमले में दमिश्क के स्थलों को अपना निशाना बनाया। इसकी जानकारी सना एजेंसी ने दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, सीरियाई वायु रक्षा ने दमिश्क के दक्षिण-पश्चिमी ग्रामीण इलाकों में मिसाइलों को इंटरसेप्ट किया क्योंकि इंटरसेप्शन की आवाज राजधानी में स्पष्ट रूप से सुनी गई थी। सना ने एक सैन्य सूत्र के हवाले से बताया कि इजरायली हमला लेबनानी हवाई क्षेत्र के अंदर से किया गया। वायु रक्षा ने अधिकांश मिसाइलों को रोक दिया। इस बीच, सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स वॉर मॉनिटर ने कहा कि इजरायली हमले ने दमिश्क में सैन्य स्थलों को निशाना बनाया। इजरायली हमला सीरिया में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए हमलों की कड़ी में नवीनतम है। दक्षिणी प्रांत कुनेइत्रा में 20 अगस्त को, साइटों पर हमला करने के दो दिन बाद, इजरायल ने दमिश्क में कई सैन्य स्थलों पर हमला किया।

इजरायली संसद ने राज्य के बजट को मंजूरी दी

तेल अवीव। इजरायल की संसद ने दो साल के राजनीतिक गतिरोध के बाद शुरुआती वोट वर्षों में राज्य के बजट को मंजूरी दे दी है। संसद के एक प्रवक्ता, या केसेट ने एक बयान में कहा, गुरुवार को, सांसदों ने प्रस्तावित बजट के पक्ष में 59-54 वोट दिए। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, वोट का मतलब है कि बजट को अंतिम मंजूरी मिलने से पहले अभी भी दो अतिरिक्त दौर के वोटों को पारित करने की जरूरत है। वित्त मंत्रालय द्वारा पहले जारी एक बयान के अनुसार, 2021 के लिए राज्य का बजट लगभग 432.5 बिलियन शेकेल (135 अरब डॉलर) और 2022 के लिए लगभग 452.5 अरब शेकेल (141 अरब डॉलर) होगा। अनुमोदन को व्यापक रूप से प्रधान मंत्री नफ्ताली बेनेट के नेतृत्व वाली क्रॉस-पार्टिसन गठबंधन सरकार के लिए एक प्रमुख मील का पत्थर माना जाता है, जो जून में देश के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले नेता बेंजामिन नेतन्याहू के उत्तराधिकारी बने। बजट प्रस्ताव को अगस्त की शुरूआत में बेनेट की कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। यह अब एक संसद समिति में चर्चा के लिए जाएगा, जो इसे केसेट प्लेनम में दूसरे और तीसरे दौर के वोट के लिए तैयार करेगी। बजट को नेसेट द्वारा 5 नवंबर की समय सीमा तक अनुमोदित करने की आवश्यकता है, वरना संसद स्वतः भंग हो जाएगी और नए चुनाव बुलाए जाएंगे। पिछले दो वर्षों के राजनीतिक गतिरोध और चार चुनावों के दौरान, इजरायल ने 2019 के लिए राज्य के बजट के एक संस्करण का उपयोग किया, जिसे मार्च 2018 में अनुमोदित किया गया था।

इस्त्राइल ने बहरीन में अपना पहला राजदूत नियुक्त किया

तेल अवीव। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दोनों देशों के संबंध सामान्य होने के लगभग एक साल बाद इस्त्राइल ने बहरीन में अपना पहला राजदूत नियुक्त किया है। समाचार एजेंसी ने गुरुवार को बयान के हवाले से कहा कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में इजरायली दूतावास में मिशन के अस्थायी प्रमुख के रूप में आठ महीने तक काम करने वाले ईतान नाहे को बहरीन में पहले इजरायली राजदूत के रूप में नियुक्त किया। यह कदम इजरायल में पहले बहरीन के राजदूत खालिद यूसुफ अल जलहमा के यहूदी राज्य में आने और खाड़ी राज्य के दूतावास का उद्घाटन करने के दो दिन बाद आया है। यूएई और बहरीन ने सितंबर 2020 में इजरायल के साथ राजनयिक संबंध स्थापित करने के लिए यूएस-ब्रोकरेड समझौतों पर हस्ताक्षर किए। बाद में सूडान और मोरक्को ने इस कदम का अनुसरण किया।

गाजा में इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष में फिलीस्तीनी मारा गया

गाजा। गाजा पट्टी और इजरायल के बीच सीमा क्षेत्र के पास इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष के दौरान एक फिलिस्तीनी व्यक्ति की मौत हो गई। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, हमास द्वारा संचालित फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 26 वर्षीय अहमद सल्हेह की गुरुवार रात को इजरायली सैनिकों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मंत्रालय ने कहा कि 5 बच्चों सहित 15 फिलिस्तीनी इजरायली सैनिकों द्वारा घायल हो गए, उनमें से 5 को गोला बारूद से गोली मार दी गई और 10 अन्य का आंसू गैस के कारण दम घुट गया। गुरुवार की रात, प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि दर्जनों प्रदर्शनकारी, रात में अशांति इकाई के सदस्य पूर्वी गाजा पट्टी और इजरायल के बीच सीमावर्ती क्षेत्र में लगातार छठे दिन इक्ट्ठे हुए। यूनिट के सदस्य 14 साल से ज्यादा समय से गरीब तटीय एन्क्लेव पर लगाए गए इजरायली नाकाबंदी को जारी रखने के विरोध में इजरायल के साथ सीमा के पास हर रात प्रदर्शन कर रहे हैं। यूनिट में हमास सहित कई फिलिस्तीनी गुटों के सदस्य और समर्थक शामिल हैं, जो राष्ट्रपति महमूद अब्बास के सुरक्षा बलों को बाहर करने के बाद 2007 से गाजा पट्टी पर शासन कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी आमतौर पर टायर जलाते हैं, घर के बने हथगोले में विस्फोट करते हैं और इजरायली सैनिकों के साथ संघर्ष करते हैं, जो आमतौर पर उन्हें तितर-बितर करने के लिए गोलियां चलाते हैं। हिंसक विरोध प्रदर्शन के एक दिन बाद इजरायल ने केरेम शालोम के एकमात्र वाणिज्यिक क्रॉसिंग को फिर से खोल दिया और गाजा तट से मछली पकड़ने के क्षेत्र को 15 समुद्री मील तक बढ़ा दिया। इजरायली मीडिया ने पहले बताया कि इजरायल ने पीने योग्य पानी भी पंप किया, गाजा में अधिक निर्माण मेटेरियल के प्रवेश की अनुमति दी और गाजा व्यापारियों के लिए 2,000 से 7,000 तक इजरायल में प्रवेश करने के लिए परमिट की संख्या में बढ़ोतरी की।

तालिबान ने चीन को बताया अपना साथी, भारत के लिए बढ़ सकती है चुनौती

बीजिंग (एजेंसी)।

अफगानिस्तान पर तालिबान के पूरी तरह से कब्जे के बाद अब वहां उसकी सत्ता व्यवस्था भी हो गई है। अफगानिस्तान में अब तालिबान राज शुरू होने जा रहा है। भीषण हिंसा और खौफ के बीच वहां 20 साल बाद तालिबान की वापसी हो रही है। पूरी दुनिया की नजर अफगानिस्तान की ताजा स्थिति पर है। हालांकि अफगानिस्तान के नागरिक लगातार देश छोड़ने के लिए प्रयत्न कर रहे हैं। इन सबके बीच तालिबान के प्रवक्ता ने चीन को लेकर अहम बयान दिया है। तालिबान के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद इन ने चीन को अपना सबसे बड़ा साथी बताया है। आशंका इस बात की जताई जा रही है कि बर्बादी के कगार पर खड़े अफगानिस्तान को तालिबान चीन के हवाले कर सकता है।

भारत के लिए बढ़ सकती है चुनौती

इसी को लेकर तालिबान के प्रवक्ता ने कहा कि यह हमारे लिए एक सुनहरा मौका है। चीन हमारे देश में निवेश कर फिर से इसे खड़ा कर देगा। एक न्यूज़ पोर्टल पर छपी खबर के मुताबिक अफगानिस्तान में बड़े पैमाने पर कॉपर के खदाने हैं। आने वाले दिनों में चीन उन पर अपना कब्जा जमा सकता है। चीन और तालिबान का एक साथ होना भारत के लिए भी मुसीबत है। तालिबान लगातार चीन से मदद की आस लगाकर बैठा हुआ है। वहीं चीन उसे हर तरह से समर्थन कर रहा है जिसका भारत लगातार विरोध करता रहा है।

हाल में ही भारत में वन बेल्ट वन रोड प्रोजेक्ट का विरोध किया था। लेकिन तालिबान ने उसे बेहतरीन बताया है। यह चीन का ड्रीम प्रोजेक्ट है जिसकी वजह से अफ्रीका, एशिया और यूरोप को पोर्ट, रेल और सड़क मार्ग से जोड़ा जा सकता है। इसे अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था के लिए भी तालिबान अच्छा मान रहा है। चीन पर तालिबान की निर्भरता कहीं ना कहीं भारत के लिए किसी झटके से कम नहीं है। भारत ने अब तक अफगानिस्तान में करोड़ों के निवेश किए है। ऐसे में चीन की अफगानिस्तान में ज्यादा दखलअंदाजी भारत के लिए नई मुश्किलें पैदा कर सकती हैं। वैसे भी पाकिस्तान, चीन और तालिबान की तुकबंदी भारत के लिए एक नई मुसीबत आने वाले दिनों में ला सकती है।

ईरानी विदेश मंत्री ने यूरोप से वार्ता में रचनात्मक भूमिका निभाने का आग्रह किया

तेहरान (एजेंसी)।

ईरानी विदेश मंत्री होसैन अमीर अब्दुल्लाहियन ने तेहरान के परमाणु हितों की रक्षा के लिए यूरोप के रचनात्मक अधिनियम का आह्वान किया, जिसे 2015 के परमाणु समझौते से वाशिंगटन की एकतरफा वापसी के बाद नुकसान हुआ था।

अमीर अब्दुल्लाहियन ने अपने फ्रांसीसी समकक्ष जीन-यवेस ले ड्रियन के साथ टेलीफोन पर बातचीत में कहा कि संयुक्त व्यापक कार्य योजना से बाहर निकलने और ईरान पर फिर से प्रतिबंध लगाने के लिए 2018 में अवैध अमेरिकी उपाय, साथ ही इस संबंध में यूरोपीय देशों की निष्क्रियता वर्तमान प्रतिकूल स्थिति के लिए जिम्मेदार हैं। समाचार एजेंसी ने ईरानी मंत्री के हवाले से कहा कि दुर्भाग्य से, वर्तमान अमेरिकी सरकार ने तेहरान पर दबाव बनाने के लिए एक उपकरण के रूप में प्रतिबंधों का उपयोग करना जारी रखा है। अमीर अब्दुल्लाहियन ने कहा कि हालांकि उन्हें यह पता होना चाहिए कि हम इस तरह के दबावों के सामने आत्मसमर्पण नहीं करते हैं। ईरान के अधिकारों और हितों की रक्षा में, उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया कि इस्लामिक गणराज्य वार्ता में भाग लेने के लिए तैयार है जो ठोस परिणाम लाएगा। वहीं ले ड्रियन ने आशा व्यक्त की कि जेसीपीओए के पुनरुद्धार पर बातचीत फिर से शुरू होगी और इसके परिणाम जल्द आएगा। जेसीपीओए संयुक्त आयोग ने 6 अप्रैल को वियना में व्यक्तिगत रूप से बातचीत शुरू की, ताकि समझौते के लिए वाशिंगटन की संभावित वापसी और सौदे के पूर्ण और प्रभावी कार्यान्वयन को कैसे सुनिश्चित किया जा सके।

नई अफगान सरकार का नेतृत्व करेगा बरादर, अहम भूमिका में होगा मुल्ला उमर का बेटा

काबुल (एजेंसी)।

तालिबान का सह-संस्थापक मुल्ला अब्दुल गनी बरादर एक नई अफगान सरकार का नेतृत्व करने के लिए तैयार है, जिसकी घोषणा जल्द ही की जा सकती है। इस्लामिक आतंकी समूह के सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

टोलो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, यह कदम तब सामने आया है, जब तालिबान पंजशीर घाटी में विद्रोही लड़ाकों से जूझ रहा है और दूसरे मोर्चे पर आर्थिक पतन को रोकने का प्रयास कर रहा है। टोलो न्यूज ने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि बरादर, जो दोहा में तालिबान के राजनीतिक कार्यालय का प्रमुख है, उसके साथ तालिबान के दिवंगत सह-संस्थापक मुल्ला उमर का बेटा मुल्ला मोहम्मद याकूब और शेर मोहम्मद अब्बास स्टेनकजई सरकार में वरिष्ठ पदों पर शामिल होंगे। तालिबान के एक अधिकारी ने एक वैश्विक न्यूज वायर को बताया, सभी शीर्ष नेता काबुल पहुंच गए हैं, जहां नई सरकार की घोषणा करने की तैयारी अंतिम चरण में है। तालिबान के एक अन्य सूत्र ने कहा कि तालिबान का सर्वोच्च धार्मिक नेता हैबतुल्लाह अखुंदजादा इस्लाम के ढांचे के भीतर धार्मिक मामलों और शासन पर ध्यान केंद्रित करेग। तालिबान, जिसने 15 अगस्त को काबुल पर कब्जा कर लिया था, वह देश के अधिकांश हिस्सों में व्यापक रूप से अपना नियंत्रण स्थापित कर चुका है। हालांकि उसे भारी लड़ाई और हताहतों की रिपोर्ट के साथ, राजधानी के उत्तर में पंजशीर घाटी में प्रतिरोध का सामना करना पड़ रहा है और अभी तक भी वह पंजीशीर घाटी पर अपना नियंत्रण स्थापित नहीं कर पाया है।

मुजाहिदीन के पूर्व कमांडर अहमद शाह मसूद के बेटे अहमद मसूद के नेतृत्व में क्षेत्रीय मिलिशिया के कई हजार लड़ाके और सरकार के सशस्त्र बलों के कुछ सैनिक बीहड़ घाटी में जमा हुए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि किसी समझौते पर बातचीत करने के प्रयास विफल हो गए हैं और प्रत्येक पक्ष विफलता के लिए एक-दूसरे को दोषी ठहरा रहा है। टोलो न्यूज ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय दाताओं और निवेशकों की नजर में सरकार की वैधता लड़खड़ाई अर्थव्यवस्था और एक संघर्ष की तबाही को देखते हुए महत्वपूर्ण होगी, जिसमें अनुमानित 240,000 अफगान मारे गए हैं। मानवीय समूहों ने एक बुरी तबाही वाली स्थिति की चेतावनी दी है और कई

लाखों डॉलर की विदेशी सहायता पर वर्षों से निर्भर अर्थव्यवस्था ढहने के करीब है। सहायता एजेंसियों ने कहा है कि कई अफगान तालिबान के सत्ता में आने से पहले भीषण सूखे के बीच अपने परिवारों को खाना खिलाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं और लाखों लोग अब भुखमरी का सामना कर सकते हैं।

बाइडेन एडमिन ने रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व का दोहन किया

वॉशिंगटन। (एजेंसी)।

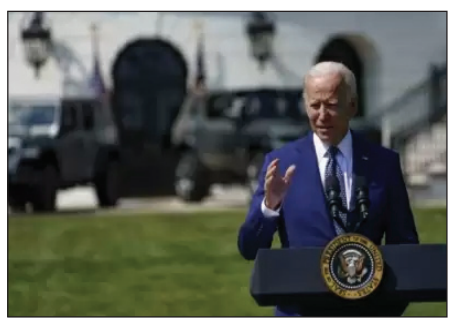

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन का प्रशासन तूफान ईडा के कारण ईंधन की कमी को दूर करने के लिए देश के सामरिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) से 15 लाख बैरल कच्चा तेल जारी कर रहा है।

व्हाइट हाउस प्रेस ने कहा, ऊर्जा विभाग ने रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व को एक्सॉनमोबिल बैटन रूज के साथ 15 लाख बैरल कच्चे तेल का आदान-प्रदान करने के लिए अधिकृत किया है ताकि आपूर्ति में व्यवधान को दूर किया जा सके और क्षेत्र में रिफाइनर को कच्चे तेल तक पहुंचने में सक्षम बनाया जा सके। सचिव जेन साकी ने गुरुवार को एक बयान में कहा, एसपीआर से चार साल में यह पहला ऐसा एक्सचेंज है। साकी ने कहा, यह कार्रवाई ऊर्जा आपूर्ति को सुरक्षित करने और क्षेत्र में कीमतों के दबाव को दूर करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा उठाया गया नवीनतम कदम है। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, ऊर्जा विभाग ने एक अलग बयान में कहा कि यह तूफान ईडा से प्रभावित क्षेत्रों के भीतर कच्चे तेल को स्थानांतरित करने के किसी भी तार्क मुद्दे को कम करेगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इस क्षेत्र में ईंधन की पहुंच जल्द से जल्द हो। विभाग ने कहा कि यह रिफाइनर को प्रभावित क्षेत्र के लिए परिष्कृत उत्पादों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित करता है और एसपीआर जैसे विकल्पों के माध्यम से उन प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। एसपीआर, आपातकालीन कच्चे तेल की दुनिया की सबसे बड़ी आपूर्ति, 1970 के दशक में अमेरिकी संघीय सरकार द्वारा मुख्य रूप से पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में व्यवधान के प्रभाव को कम करने के लिए स्थापित की गई थी। ऊर्जा विभाग के अनुसार, 20 अगस्त तक, एसपीआर में 62.13 करोड़ बैरल कच्चा तेल था, जिसमें 36.81 करोड़ बैरल खट्टा कच्चा और 25.32 करोड़ बैरल मीठा कच्चा तेल शामिल था। पूर्वोत्तर की ओर बढ़ने से पहले, तूफान ईडा ने लुइसियाना और मिसिसिपी में पहले ही व्यापक कहर बरपाया था, जिससे चार लोगों की मौत हो गई थी और सैकड़ों हजारों लोगों की बिजली गुल हो गई थी। सीएनएन के अनुसार, मैक्सिको की खाड़ी के तेल उत्पादन का 93 प्रतिशत से अधिक ऑफलाइन रहता है और न्यू ऑरलियन्स और बैटन रूज में दो-तिहाई गैस स्टेशन ईडा के बाद गैसोलीन से बाहर हो गए हैं।

श्रीलंका ने लिट्टे को आतंकवादी संगठन मानने के यूके के निर्णय की सराहना की

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका ने लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) पर आतंकवादी संगठन के रूप में प्रतिबंध लगाने के ब्रिटेन के कदम की सराहना की है।

गुरुवार को कोलंबो में विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सरकार को इस बात से अवगत कराया गया है कि यूके के गृह सचिव ने ब्रिटेन के आतंकवाद अधिनियम संख्या 7 के तहत लिट्टे पर प्रतिबंध को जारी रखने केफैसले का स्वागत किया। आयोग ने ब्रिटेन में समूह को गैर-प्रतिबंधित करने के लिए लिट्टे के एक फ्रंट संगठन के आवेदन को खारिज कर दिया है। मंत्रालय ने कहा, लिट्टे यूके में एक प्रतिबंधित संगठन बना हुआ है, जैसा कि यह यूरोपीय संघ के क्षेत्र सहित दुनिया भर के 30 से अधिक अन्य देशों में प्रतिबंधित है। लिट्टे को शुरू में इन देशों में प्रतिबंधित किया गया था क्योंकि समूह की क्रूरता और अत्याचारों के कारण वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा को प्रभावित कर रही थी। यूके ने तमिल विद्रोही समूह को सूचीबद्ध किया, जो 2000 की शुरूआत में एक आतंकवादी संगठन के रूप में उत्तरी और पूर्वी श्रीलंका से एक अलग क्षेत्र के लिए लड़ाई लड़ी। हालांकि, अक्टूबर 2020 में प्रतिबंधित संगठन अपील आयोग(पीओएसी) ने लिट्टे को इस सूची से हटाने का निर्णय लिया था। मई 2019 में इसके लिए फ्रंट संगठन ने अपील की थी।

आयोग ने माना था कि यूके होम ऑफिस का लिट्टे को आतंकवादी संगठन के रूप में प्रतिबंधित रखने का निर्णय त्रुटिपूर्ण और गैरकानूनी था। हालांकि श्रीलंका ने आयोग के फैसले के खिलाफ अपील करते हुए कहा कि यह साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि लिट्टे के अवशेष और इसकी आतंकवादी विचारधारा से जुड़े समूह सक्रिय हैं जो विदेशों में, हिंसा भड़काने और द्वीप राष्ट्र को अस्थिर करने के लिए काम कर रहे हैं। 1991 में पूर्व प्रधान मंत्री राजीव गांधी की हत्या के विद्रोही समूह पर आरोप लगने के बाद भारत ने लिट्टे पर प्रतिबंध लगा दिया था। प्रतिबंध को समय-समय पर नवीनीकृत किया गया था और मई 2019 में केंद्र सरकार ने गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम, 1967 (1967 का 37) की धारा 3 की उप-धारा (1) और (3) के तहत प्रतिबंध को पांच और वर्षों के लिए बढ़ा दिया था।

क्या है डूरंड रेखा विवाद, जिसको लेकर तालिबान-पाकिस्तान में खिंच सकती हैं तलवारें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

डूरंड रेखा विवाद ऐसा मुद्दा है जिसने दशकों से अफगानों और पाकिस्तान के बीच अविश्वास बोया है और तालिबान और पाकिस्तान के बीच संबंधों में एक संभावित तकरार की संभावना जगा दी है। इस हफ्ते की शुरुआत में तालिबान जबीउल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तान में एक पश्तो चैनल से बात करते हुए डूरंड रेखा पर पाकिस्तान द्वारा बनाई गई बाड़ पर अपना विरोध जताया। उन्होंने कहा कि नई अफगान सरकार इस मुद्दे पर अपनी स्थिति की घोषणा करेगी। मुजाहिद ने कहा कि बाड़ ने लोगों को अलग कर दिया है और परिवारों को विभाजित कर दिया है। हम सीमा पर एक सुरक्षित और शांतिपूर्ण माहौल बनाना चाहते हैं, इसलिए अवरोध पैदा करने की कोई जरूरत नहीं है।

पश्तून को विभाजित करने वाली रेखा

डूरंड रेखा रूसी और ब्रिटिश साम्राज्यों के बीच 19वीं शताब्दी के खेल की विरासत है जिसमें अफगानिस्तान को अंग्रेजों द्वारा रूस के विस्तारवाद की भय की वजह से के खिलाफ एक बफर के रूप में इस्तेमाल किया गया था। 12 नवंबर 1893 में अफगान शासक आमिर अब्दुल खान और ब्रिटिश सरकार के सचिव सर मार्टिमर डूरंड ने सरहद हदबंधी के समझौते पर दस्तखत किए। दूसरे अफगान युद्ध की समाप्ति के दो वर्ष बाद 1880 में अब्दुर रहमान राजा बने, जिसमें अंग्रेजों ने कई क्षेत्रों पर नियंत्रण कर लिया जो अफगान साम्राज्य का हिस्सा थे। डूरंड के साथ उनके समझौते ने भारत के साथ अफगान 'सीमा' पर उनके और ब्रिटिश भारत के 'प्रभाव के क्षेत्रों' की सीमाओं का सीमांकन किया। डूरंड्स कर्सः ए लाइन अक्रॉस द पठान हार्ट नामक किताब के लेखर राजीव डोगरा के अनुसार सात-खंड के समझौते ने 2,670 किलोमीटर की रेखा को मान्यता दी। डूरंड ने आमिर के साथ अपनी बातचीत के दौरान अफगानिस्तान के एक छोटे से नक्शे पर खींच दी थी। 2,670 किलोमीटर की रेखा चीन की सीमा से लेकर ईरान के साथ अफगानिस्तान की सीमा तक फैली हुई है। इसके खंड 4 में कहा गया है कि 'सीमा रेखा' को विस्तार से निर्धारित किया जाएगा और ब्रिटिश और अफगान आयुक्तों द्वारा सीमांकित किया जाएगा। जिसमें स्थानीय गावों के हितों को शामिल करने की भी बात थी।

वास्तविकता इससे काफी अलग

वास्तव में रेखा पश्तून आदिवासी क्षेत्रों से होकर गुजरती है, जिससे गाँव, परिवार और भूमि का बंटवारा हो जाता है। इसे 'घृणा की रेखा', मनमाना, अतार्किक, क्रूर और पश्तूनों पर एक छल के रूप में वर्णित किया गया है। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि यह पश्तूनों को विभाजित करने की एक चाल थी ताकि अंग्रेज उन पर आसानी से नियंत्रण रख सकें। इससे वे खाबेर दर्रे को अपने कब्जे में रखना चाहते थे।

अफगान-पाक तनाव

1947 में स्वतंत्रता के साथ भारत-पाक बंटवारा हुआ और उसे डूरंड रेखा विरासत में मिली। इसके साथ ही पश्तून ने रेखा को अस्वीकार कर दिया और अफगानिस्तान द्वारा इसे मान्यता देने से इनकार कर दिया। 1947 में संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के शामिल होने के खिलाफ मतदान करने वाला अफगानिस्तान एकमात्र देश था।

पश्तूनों का एक स्वतंत्र देश

विभाजन के समय खान अब्दुल गफ्फार खान द्वारा - पश्तूनों का एक स्वतंत्र देश की गई एक मांग थी, हालांकि बाद में उन्होंने खुद इस्तीफा दे दिया। फ्रंटियर गांधी की भारत से नजदीकी भी भारत पाकिस्तान के बीच तनावों के तात्कालीन कारणों में से एक था। पश्तून राष्ट्रवाद को भारतीय समर्थन का डर आज भी पाकिस्तान को सताता है जो उसकी अफगान नीति में झलकता है। तालिबान के लिए पाकिस्तान के निर्माण और समर्थन को कुछ लोग इस्लामिक पहचान के साथ जातीय पश्तून राष्ट्रवाद को खत्म करने के कदम के रूप में देखते हैं। लेकिन पाकिस्तान ने जिस तरह से योजना बनाई थी वो पूरी तरह कारगर साबित नहीं हो पाई। अब तालिबान ने काबुल फतह के बादडूरंड रेखा को ही खारिज कर दिया।

न्यूजीलैंड सुपरमार्केट में हुआ आतंकवादी हमला

ऑकलैंड (एजेंसी)।

न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जैसिंडा अर्डर्न ने शुक्रवार को पुष्टि की कि ऑकलैंड के न्यू लिन सुपरमार्केट में हुआ हिंसक हमला एक श्रीलंकाई नागरिक द्वारा किया गया आतंकवादी हमला था। जिसे पुलिस ने गोली मार दी। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, एम्बुलेंस सेवा सेंट जॉन्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि दोपहर करीब 2.40 बजे हुए हमले में कम से कम छह लोग घायल हो गए, जिनमें तीन की हालत गंभीर है। अर्डर्न ने वेलिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि एक हिंसक व्यक्ति ने ऑकलैंड में न्यू लिन काउंटडाउन में निर्दोष न्यूजीलैंडवासियों पर आतंकवादी हमला किया। उन्होंने कहा कि यह एक हिंसक हमला था। यह मूर्खतापूर्ण था और मुझे खेद है कि ऐसा हुआ। उन्होंने कहा कि पुलिस ने हमले के लगभग एक मिनट के भीतर अपराधी को गोली मार दी। अर्डर्न के अनुसार, हमलावर एक श्रीलंकाई नागरिक था जो 2011 में न्यूजीलैंड आया था और 2016 से न्यूजीलैंड पुलिस द्वारा उसकी इस्लामिक स्टेट से प्रेरित विचारधारा के लिए कड़ी निगरानी की जा रही थी। हालांकि, यह अज्ञात है कि यह व्यक्ति न्यूजीलैंड का नागरिक है या नहीं। न्यूजीलैंड के पुलिस आयुक्त एंड्रयू कोस्टर ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस में पुष्टि की कि हमले के पीछे व्यक्ति अपनी विचारधारा को कड़ी निगरानी में था। हमले से पहले उस व्यक्ति ने ग्लेन ईडन से पश्चिमी ऑकलैंड के लिनमॉल में काउंटडाउन तक यात्रा की थी। जिसपर निगरानी टीमों द्वारा बारीकी से नजर रखी जा रही थी। उसने काउंटडाउन सुपरमार्केट में प्रवेश किया जहां उसे एक चाकू मिला। कोस्टर के अनुसार, निगरानी दल उसके काफी करीब थे, और जब हंगामा शुरू हुआ तो उन्होंने कार्रवाई की। कॉस्टर ने कहा कि जब वह व्यक्ति चाकू लेकर उनके पास पहुंचा, तो उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई। सशस्त्र पुलिस ने सुरक्षा के तहत आस-पास की सड़कों को बंद कर दिया है। शुक्रवार का हमला न्यूजीलैंड के सबसे खराब आतंकी हमले के दो साल बाद हुआ, जब 2019 में क्राइस्टचर्च में दो मस्जिदों में एक श्वेत वर्चस्ववादी बंदूकधारी ने 51 मुस्लिम उपासकों की हत्या कर दी थी।

सार समाचार

दिल्ली में कोरोना वायरस के 35 नए मामले, कोई मौत नहीं

नयी दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को कोरोना वायरस के 35 नए मरीज मिले और संक्रमण दर 0.05 फीसदी दर्ज की गई। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, शहर में किसी भी संक्रमित की मौत नहीं हुई है। कोरोना वायरस की दूसरी लहर की शुरुआत के बाद से यह 22वां मौका है जब राष्ट्रीय राजधानी में एक दिन में कोविड-19 महामारी से किसी की मौत नहीं हुई। दिल्ली में महामारी की दूसरी लहर अप्रैल-मई में अपने चरम पर थी। अधिकारियों के मुताबिक, बृहस्पतिवार को दिल्ली में 39 नए मामले आए थे और संक्रमण दर 0.06 फीसदी थी। इससे पहले बुधवार को 36 और मंगलवार को 28 नए मामले आए थे।

केरल में कोरोना के कहर पर SC सख्त, 11वीं की परीक्षा पर लगाई रोक, अगली सुनवाई 13 सितंबर को

नई दिल्ली। केरल में कोरोना वायरस के नए मामलों की रफ्तार कम होने का नाम नहीं ले रही है। लगातार कोरोना संक्रमण के नए मामलों की संख्या 30000 के पार है। इन सबके बीच केरल में कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी के बीच सुप्रीम कोर्ट ने 6 सितंबर से होने वाले 11वीं की फिजिकल परीक्षा पर अंतरिम रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट की यह रोक केरल सरकार के फैसले पर है। इस मामले की अगली सुनवाई 13 सितंबर को होगी। अपने फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि जब राज्य में हर दिन औसतन 35 हजार के करीब में मामले आ रहे हैं। ऐसे में बच्चों को संक्रमित होने के लिए नहीं छोड़ा जा सकता। आपको बता दें कि केरल में बृहस्पतिवार को कोविड-19 के 32,097 नये मामले सामने आने के साथ ही कोरोना वायरस संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर च41,22,133 हो गयी जबकि 188 और मरीजों की मौत के बाद मृतकों की तादाद 21,149 पर पहुंच गयी। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। केरल में बीते 24 घंटे के दौरान 1,74,307 नमूनों की कोविड-19 जांच होने के साथ संक्रमण की दर18.41 प्रतिशत हो गयी है। राज्य में अब तक 3,19,01,842 नमूनों की कोविड-19 जांच हो चुकी है।

पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष पद की नियुक्ति को लेकर कांग्रेस बीजेपी हुई आमने - सामने

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस ने पिछड़ा वर्ग आयोग की नीति पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने नवनियुक्त गौरीशंकर बिसेन की नियुक्ति को असंवैधानिक बताया है। कांग्रेस नेता केके मिश्रा ने कहा कि कमलनाथ सरकार में ही ओबीसी आयोग का गठन किया गया था। मुख्यमंत्री रहते कमलनाथ ने जेपी धनोपियो को अध्यक्ष बनाया था। और हाईकोर्ट से जेपी धनोपिया को स्टे मिला हुआ है। आपको बता दें कि कि के के मिश्रा ने कहा कि वर्तमान मे जेपी धनोपिया ही पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष है। एक अध्यक्ष के रहते दूसरा अध्यक्ष नियुक्त करना असंवैधानिक है। सरकार का फैसला कोर्ट की अवमानना है। वहीं इस बयान के बाद बीजेपी ने पलटवार करते हुए कहा कि धनोपिया अध्यक्ष होते तो अध्यक्ष का काम कर रहे होते। बीजेपी प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने कहा कि कमलनाथ सरकार ने अल्पमत में नियुक्ति की थी। धनोपिया अब आयोग के अध्यक्ष नहीं थे। वह कांग्रेस के प्रवक्ता के नाते काम कर रहे हैं। और इसी कारण अब आयोग के अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन को बनाया गया है।

कर्नाटक में 19 वर्षीय एक युवक ने एक ही दिन में करवा लिया दो बार वैक्सीनेशन!

मेंगलुरू। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले में सुलिया तालुक के एक स्कूल में भीड़भाड़ वाले टीकाकरण केंद्र पर 19 वर्षीय एक युवक को कुछ ही मिनट के अंतराल पर कोविशील्ड की दो खुराकें लगा दी गईं। सुलिया तालुक के स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बी. नंदकुमार ने कहा कि केंद्र पर युवक को तीन घंटे तक निगरानी में रखा गया और फिर घर भेज दिया गया। स्वास्थ्य अधिकारी बुधवार से ही उसके घर पर उस युवक पर नजर रखे हुए हैं और बृहस्पतिवार तक उस पर टीके का कोई विपरीत असर नहीं देखा गया। तालुक में कोटेलू का रहने वाला श्रमिक के. बी. अरूण बुधवार को सुलिया तालुक में दुग्गलकडा उच्च विद्यालय में टीकाकरण केंद्र पर गया था जहां एक स्वास्थ्य सहायक ने उसे टीका लगा दिया। वह एक कमरे में प्रतीक्षा कर रहा था तभी उसी कर्मचारी ने उसे टीके की दूसरी खुराक लगा दी। डॉ. नंदकुमार ने बताया कि भ्रम इसलिए हो गया कि टीका लगवाने के बाद युवक वहां से नहीं गया। उसे लगा कि यात्रा के लिए टीके की दो खुराक लगवाना जरूरी है। नर्स भी मास्क लगाए युवक को नहीं पहचान पाई।

केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन के तहत ग्रेट इंडिया सेल लगा दी

शिमला । कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता रागिनी नायक ने राजीव भवन शिमला में कहा कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय मौद्रिकरण पाइपलाइन (एनएमपी) के तहत ग्रेट इंडिया सेल लगा दी है। अगले 50 वर्ष तक देश की संपत्ति निजी हाथों में जाने वाली है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने सात साल में देश में कोई राष्ट्रीय संपत्ति नहीं बनाई। उलटे कांग्रेस द्वारा 70 साल में खड़े किए गए सार्वजनिक उपक्रमों और अन्य राष्ट्रीय संपत्तियों को मौजूदा सरकार बेचने पर तुली है। इसके जरिए मोदी सरकार अपने चंद चहेते उद्योगपतियों को लाभ देने में लगी है। उन्होंने कहा कि अगले 50 वर्ष के लिए देश की संपत्ति चुनिंदा कंपनियों के हाथों में जाने वाली है। उन्होंने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार देश की जनता की गाढ़ी कमाई को निजी हाथों में सौंपने का काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कहते हैं, करते उससे उलट हैं। चुनावों में कहा था कि वे देश नहीं बिकने देंगे, लेकिन अब देश की संपत्तियों को बेचा जा रहा है।

पूजा पंडाल में दिखेगी सीएम ममता बनर्जी की प्रतिमा? बढ़ा विवाद

कोलकाता। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के एक आयोजक द्वारा अपने पंडाल में दुर्गा मां के साथ ही मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रतिमा लगाने का फैसला करने पर विवाद खड़ा हो गया है। विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने इस पर नाराजगी जताते हुए इस कदम को ''घृणास्पद'' और राज्य के हिंदुओं की भावनाओं को आहत करने वाला बताया है। प्रसिद्ध मूर्तिकार मिंटू पाल अपने कुमारतुली स्टूडियो में फाइबरग्लास की मूर्ति बना रहे हैं, जिसमें ''देवी'' को तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो की पसंदीदा सफेद रंग की तांत की साड़ी पहनायी गयी है और साथ ही उनकी पहचान बन चुकी फ्लिप-फ्लॉप चप्पल पहनायी गयी है।

पाल ने शुक्रवार को कहा, ''मैंने माननीय मुख्यमंत्री की तस्वीरों और वीडियो को देखा। मूर्ति का चेहरा बनाते हुए यह देखा कि वह किस तरीके से चलती, बोलती और लोगों से बातचीत करती हैं।'' उन्होंने बताया कि देवी के 10 हाथों में हथियारों के बजाय कन्याश्री, स्वास्थ्य साथी, रूपाश्री, सबुजसाथी और लक्ष्मी भंडार जैसी परियोजनाएं दिखायी जाएंगी। उन्होंने बताया कि आयोजक उनकी सरकार द्वारा शुरू की गयी कई विकास परियोजनाओं के बारे में लोगों को बताना चाहते हैं, जिनकी वैश्विक रूप से सराहना की गयी है। बहरहाल, भाजपा ने इस पर नाराजगी जतायी है।

पार्टी के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्वीट किया, ''बंगाल में चुनाव के बाद जघन्य हिंसा के बाद ममता बनर्जी को देवी सदृश्य दिखाना घृणा पैदा करने वाला है क्योंकि उनके हाथ निर्दोष बंगालियों के खून से सने हैं। यह देवी दुर्गा का अपमान है। ममता बनर्जी को इसे रोकना चाहिए। वह बंगाल के हिंदुओं की भावनाओं को आहत कर रही हैं।'' नंदीग्राम से भाजपा विधायक शुभेंदु अधिकारी ने कहा, ''जब कोई केवल आपको खुश करने के लिए आपको भगवान के समान बताने की कोशिश करता है और आपकी चुप्पी सहमति का इशारा करती है तो इसका मतलब है कि आपका अहंकार ऐसे स्तर तक पहुंच गया है, जहां विवेक इसकी जवाबदेही नहीं ठहरा सकता।'' शहर के उत्तरी हिस्से में स्थित केश्टोपुर की उन्नयन समिति क्लब द्वारा पूजा के एक आयोजक ने कहा, ''पूरे पंडाल की थीम लक्ष्मी भंडार की होगी।'' लक्ष्मी भंडार सरकार की एक आय सहायता योजना है, जिसके तहत किसी घर की महिला मुखिया को प्रति महीने 500-1000 रुपये की सहायता राशि दी जाएगी।

दीनदयाल जयंती पर हर ब्लॉक में लगेगा गरीब कल्याण मेला : मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)।

अंत्योदय के प्रणेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयन्ती इस बार वंचित तबके के लिए खास होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस बार दीनदयाल जयंती (25 सितंबर) पर प्रदेश के सभी 826 विकासखंडों में गरीब कल्याण मेला आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ लेना हो, स्वास्थ्य की जांच करानी हो अथवा अब तक आयुष्मान कार्ड न बना हो, वृद्धावस्था और निराश्रित पेंशन जैसी सुविधाओं की पात्रता होने के बाद भी अब तक इनका लाभ न मिला हो अथवा रोजगार-स्वरोजगार के लिए बैंकों की ऋण की आवश्यकता, सब एक ही समय, एक ही जगह, एक ही पंडाल में इन सभी जरूरतों का हल मिल सकेगा। शुक्रवार को उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 सितंबर को दीनदयाल जी की जयंती प्रदेश में भव्य रूप से मनाई जाएगी। दीनदयाल जी ने हमें अंत्योदय की राह दिखाई है। ऐसे में उनकी जयंती समाज के अंतिम पायदान पर मौजूद वंचित तबके को समर्पित होनी, उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि 25 सितंबर को सभी 826 विकासखंडों में गरीब कल्याण मेला लगाए जाएं। इसके तहत, आरोग्य मेलों का आयोजन होगा, जहां लोगों की स्वास्थ्य जांच के साथ-साथ आयुष्मान कार्ड से वंचित लोगों को मुफ्त इलाज की इस सुविधा से जोड़ा जाए। यही नहीं, प्रधानमंत्री/मुख्यमंत्री आवास योजना, वृद्धावस्था और निराश्रित पेंशन योजना, बाल सेवा योजना आदि कल्याणकारी योजनाओं स्व वंचित पात्र लोगों को तत्काल इनका लाभ दिलाया जाए। गरीब कल्याण मेले में कृषि विभाग और ओडीओपी की प्रदर्शनी भी लगेगी तो पीएम स्वनिधि और एमएसएमई स्थापना सहित रोजगार-स्वरोजगार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए बैंकों के प्रतिनिधि भी मौजूद होंगे। सीएम के निर्देशानुसार गरीब कल्याण मेले में स्थानीय सांसद और विधायक सहित सभी जनप्रतिनिधियों की विशिष्ट उपस्थिति होगी। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद दीनदयाल जयंती पर इस विशेष आयोजन के लिए तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

चिदंबरम के बयान पर नक़वी का पलटवार, कहा- इनके पास न तर्क है न तथ्य

जयपुर। (एजेंसी)।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने आज राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। इसी को लेकर अब केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने चिदंबरम पर पलटवार किया है। न्यूज़ एजेंसी एएनआई के मुताबिक नकवी ने कहा कि कंट्री सेहत के वैक्सीनेशन का रिकॉर्ड बना रही है, कांग्रेस सियासी फ्रस्टेशन का रिकॉर्ड बना रही है। इनके पास न तर्क है न तथ्य। ये समझें कि सियासत सामंती जमींदारी नहीं बल्कि सियासी भागीदारी का नाम है।

आपको बता दें कि मोदी सरकार पर हमला करते हुए चिदंबरम ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार को अपने इस कदम के उद्देश्यों तथा चार साल की अवधि के दौरान छह लाख करोड़ रुपये का राजस्व एकत्र करने के मुख्य लक्ष्य के बारे देश को बताना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि जिन संपत्तियों की पहचान एनएमपी के तहत की गई है, उनसे मौजूदा समय में भी कोई न कोई राजस्व जरूर मिल रहा होगा।

श्री गुरु तेग बहादुर की विचारधारा का प्रचार करें: पंजाब के मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने शुक्रवार को सिखों के नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर साहिब की विचारधारा को दुनिया भर में प्रचारित करने की जरूरत पर जोर दिया, ताकि शांति, सद्भाव, धर्मनिरपेक्षता और सह-अस्तित्व के मूल्यों को बढ़ावा दिया जा सके, जिसे उन्होंने अपने सर्वोच्च बलिदान से कायम रखा था।

गुरु तेग बहादुर के 400वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में विधानसभा के विशेष सत्र में अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सिख धर्म को हमारे महान गुरुओं द्वारा हमें दिए गए सिद्धांतों और धार्मिकता को बनाए रखने के लिए शहादत की परंपरा से अलग किया जाता है। यह देखते हुए कि गुरु तेग बहादुर का जीवन और संदेश हम पंजाबियत के रूप में सम्मान करने के लिए आए हैं उसका सार है। अमरिंदर सिंह ने कहा कि इसमें हमारी सांझी तहजीब, हमारी मा-बोली पंजाबी, लोग, धर्म, जाति और समुदाय, हमारे मित्रता और भाईचारे के करीबी संबंध शामिल हैं।

उन्होंने कहा, जब हम पंजाब और पंजाबियों की बात करते हैं, तो पंजाबियत का पालन करना चाहिए। महान गुरु के जीवन और शिक्षाओं में सन्निहित इस पंजाबियत को ध्यान से समझने, सराहना करने और पोषित करने की जरूरत है। दुनिया के सभी कोनों में जहां उन्होंने कड़ी मेहनत, उद्यम और बलिदान के माध्यम से अपने लिए एक विशेष स्थान बनाया है। उन्होंने यह भी कहा कि नौवें गुरु के 400 वें प्रकाश पर्व को हमें अपनी प्रतिज्ञा को नवीनीकृत करने और लोगों को उनके सही नेताओं और प्रतिनिधियों के रूप में सही रास्ता दिखाने में मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि इतिहास गुरु तेग बहादुर को जबरन धर्मांतरण का विरोध करने और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने के लिए हिंद दी चादर के रूप में बड़े गर्व के साथ याद करता है। नौवें गुरु ने नवंबर 1675 में अपने सहयोगियों भाई मति दास, भाई सती दास और भाई दयाल दास के साथ शहादत प्राप्त की, जिन्हें मुगल सम्राट औरंगजेब के शासनकाल में कश्मीर के हिंदुओं की धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए बेरहमी से प्रताड़ित किया गया था। मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि गुरु तेग बहादुर के पुत्र दशमेश पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पिता के बलिदान को दीया पर सिर न दिया (मैंने अपना सिर दिया लेकिन मेरा पंथ नहीं) बताया है। गुरु साहिब के दर्शन एक अन्य सहयोगी भाई जीवन सिंह (जिन्हें जैता जी के नाम से जाना जाता है) द्वारा दिल्ली से श्री आनंदपुर साहिब तक गुरु गोबिंद सिंह के पास ले जाया गया। इस अवसर पर, हम सभी भाई जैता जी की उल्लेखनीय वीरता और साहस को विशेष श्रद्धांजलि देते हैं। जब भी हम इस दुखद घटना के बारे में बात करेंगे तो इतिहास उन्हें याद रखेगा। इस विशाल आयोजन के उपलक्ष्य में राज्य सरकार द्वारा आयोजित समारोहों की योजना का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक आयोजन को मनाने के लिए पहले व्यापक व्यवस्था की गई थी।

अहमदाबाद विस्फोट केस में 13 साल बाद सुनवाई पूरी, अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा

अहमदाबाद। (एजेंसी)।

गुजरात के अहमदाबाद में हुए श्रृंखलाबद्ध बम धमाकों के 13 साल बाद यहां की एक विशेष अदालत ने इस मामले में 77 आरोपियों के खिलाफ सुनवाई पूरी कर ली और अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। उस घटना में 56 लोगों की मौत हो गयी थी। अभियोजन पक्ष ने बम धमाकों के एक साल बाद दिसंबर 2009 में शुरू हुए लंबे मुकदमे में 1,100 से अधिक गवाहों को पेश किया। विशेष न्यायाधीश ए आर पटेल ने बृहस्पतिवार को सुनवाई पूरी करने की घोषणा की और फैसला सुरक्षित रख लिया। अहमदाबाद शहर में 26 जुलाई, 2008 को 70 मिनट के भीतर 21 बम विस्फोटों में कम से कम 56 लोग मारे गए थे और 200 से अधिक घायल हुए थे।

पुलिस ने दावा किया था कि आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) से जुड़े लोग विस्फोटों में शामिल थे और यह प्रतिबंधित स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) के कट्टरपंथियों का एक धड़ा था।यह आरोप लगाया गया था कि आईएम आतंकवादियों ने 2002 के गोधरा दंगों का बदला लेने के लिए इन विस्फोटों की योजना बनाई थी। इन धमाकों के कुछ दिनों बाद, पुलिस ने सूरत के विभिन्न हिस्सों से बम बरामद किए और उसके बाद अहमदाबाद में 20 और सूरत में 15 प्राथमिकी दर्ज की गईं।अदालत द्वारा सभी 35 प्राथमिकी को एकसाथ कर दिए जाने के बाद सुनवाई की गयी। गुजरात पुलिस द्वारा विभिन्न समय पर गिरफ्तार किए गए 85 आरोपियों में से 78 लोगों के खिलाफ सुनवाई शुरू हुयी और एक आरोपी के सरकारी गवाह बनने के बाद यह संख्या घटकर 77 रह गई। इस मामले में कम से कम आठ से नौ आरोपी अब भी फरार हैं।

आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता के साथ ही गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) कानून के प्रासंगिक प्रावधानों के तहतमामला दर्ज किया गया है। विशेष अदालत शुरू में साबरमती केंद्रीय कारागार में मामले की सुनवाई करती थी। बाद में ज्यादातर कार्यवाही वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए की जाती थी। सुनवाई जारी रहने के दौरान ही कुछ आरोपियों ने 2013 में जेल में 213 फुट लंबी सुरंग खोदकर कथित रूप से भागने की कोशिश की थी। जेल से भागने के प्रयास का मुकदमा अभी लंबित है।

बनारस में डेंगू के कारण लोगों में खौफ, फलों के दाम में भी उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बरसात के पानी इकट्ठा हो जाने के कारण डेंगू ने अपना तेजी से पांव पसारना शुरु कर दिया है। आए दिन इस बीमारी से ग्रसित मरीज मंडलीय अस्पताल, कबीरचौरा और कई प्राइवेट अस्पतालों में आ रहे हैं। जहां डेंगू के लगभग 80 मरीज इन दिनों अस्पतालों भर्ती हैं। डेंगू के मरीजों के बढ़ जाने से नारियल पानी और कीवी फल भी काफी ज्यादा महंगा बिक रहा है। इसके रेट लगभग दोगुने हो गए हैं और ऐसा सिर्फ डेंगू के कारण हो रहा है।

डेंगू का खौफ बनारस के लोगों में साफ दिखाई दे रहा है। वायरल फीवर होने पर भी डॉक्टर्स पेशेंट का डेंगू टेस्ट करा रहे हैं। हालांकि अधिकांश पेशेंट डेंगू पॉजिटिव नहीं निकल रहे लेकिन डर के चलते पेशेंट के तीमारदार उसे नारियल पानी और कीवी फल देना शुरू कर दे रहे हैं। डॉक्टर्स भी मरीजों को नारियल पानी का सेवन करने के लिए बता रहे हैं। फलों की महंगाई को बढ़ते हुए देख कर मरीजों के लिए इन फल को खरीदना काफी मुश्किल हो रहा है। डेंगू के मरीजों को हाइड्रेशन मेंटेन रखना होता है, जिसमें नारियल पानी काफी फायदेमंद होता है। इसीलिए डॉक्टर नारियल पानी पीने के लिए बता रहे है। नारियल और कीवी के बढ़ते डिमांड के कारण लगातार दाम भी बढ़ रहा है। आम दिनों में नारियल पानी और कीवी का जो रेट होता है उससे ज्यादे रेट में बढ़ा कर बेचा जा रहा है नारियल पानी। मंडलीय अस्पताल के वरिष्ठ फिजीशियन डॉक्टर बीके मडी ने बताया कि डेंगू या वायरल फीवर में शरीर में तरल पदार्थों की कमी नहीं होने देना चाहिए। शरीर में तरल पदार्थों की मात्रा को मेंटेन करने के लिए नारियल पानी का सेवन करते रहना चाहिए। उन्होंने आगे बताया कि कीवी फल से भी मरीज तेजी से रिकवर होता है। अगर आपको बुखार आता है तो जल्द से जल्द बुखार की जांच करवाने की सलाह दी है। इसके साथ ही वाराणसी के नगर आयुक्त ने डेंगू की रोकथाम के लिए की पत्रकारों से बातचीत में बताया कि डेंगू की स्थिति पहले की अपेक्षा बहुत ज्यादा खराब हो चुकी है और उसकी रोकथाम के लिए फागिंग दवे का छिड़काव तमाम तरीके की व्यवस्थाएं हैं। जिसे नगर निगम द्वारा सुचारू रूप से कराया जाएगा।

भाजपा नेता पर चप्पल मारने का वीडियो वायरल, नौकरी दिलाने के नाम पर पौने दो लाख लेने का मामला दर्ज

लखनऊ। (एजेंसी)।

पड़ोसी बाराबंकी जिले में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के एक नेता पर एक महिला ने उसके बेटे को नौकरी दिलाने के नाम पर पौने दो लाख रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगाया है। यह मामला सुर्खियों में तब आया जब घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी प्रसारित हुआ। लोनी कटरा पुलिस ने भाजपा नेता के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। लोनी कटरा के थाना प्रभारी ने पीटीआई- को शुक्रवार को बताया कि लोनी कटरा थाना क्षेत्र के रुक?नापुर निवासी महिला पियारा देवी की तहरीर पर त्रिवेदीगंज मंडल के भाजपा अध्यक्ष उत्तम वर्मा के खिलाफ भार्दवि की धारा 323 (जानबूझकर स?वेच?छा से चोट पहुंचाना), 406 (विश्वास का आपराधिक हनन) 504 (जानबूझकर अपमानित करना) और 506 (धमकी देना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। इस सिलसिले में भारतीय जनता पार्टी बाराबंकी के जिला अध्यक्ष अवधेश श्रीवास्तव ने बताया कि मंडल अध्यक्ष उत्तम वर्मा से स्पष्टीकरण मांगा गया है और उनका पक्ष जानने के बाद उचित कार्रवाई होगी।

सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में महिला बीच सड़क पर मोटरसाइकिल पर सवार भाजपा नेता को रोककर अपने रुपये मांगती नजर आ रही है। जानकारी के मुताबिक बेटे की नौकरी न लगने पर बुधवार को महिला ने लोनी कटरा थाना इलाके के भिलवल चौराहे पर भाजपा नेता को रोककर अपने रुपये मांगे और नेता का गिरेबान भी पकड़ लिया। उत्तम वर्मा बाराबंकी जिले के त्रिवेदीगंज मंडल के भाजपा अध्यक्ष हैं। महिला का आरोप है कि उसके बेटे मुकेश को स्कूल में नौकरी दिलाने के नाम पर मंडल अध्यक्ष उत?तम वर्मा ने करीब दो वर्ष पहले उससे पौने दो लाख रुपये लिए थे। महिला ने थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि बुधवार को भिलवल चौराहे पर वह अपना रुपया मांगने गई तो उत्तम ने रुपया देने की बजाय उसे गाली देते हुए थप्पड़ मारा और अभद्रता की।

घटना के संदर्भ में भाजपा मंडल अध्यक्ष उत्तम वर्मा का कहना है कि यह राजनीतिक द्वेष में किया गया षड्यंत्र है। उत्तम ने कहा कि बुधवार को वह हैदरगढ़ एक कार्यक्रम में जा रहे थे तभी भिलवल चौराहे के समीप कुछ लोगों ने उन्हें रोक लिया और गाली गलौज करने लगे। उन्होंने कहा कि इस दौरान वह गिर गए और किसी तरह जान बचाकर भागे और लोनी कटरा थाने में पहुंचकर अपनी तहरीर दी। हालांकि लोनीकटरा पुलिस ने भाजपा अध्यक्ष की तहरीर पर कोई मामला दर्ज नहीं किया है। इस मामले में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने शुक्रवार को कहा, ÷इस तरह के जो आरोप हैं, उसकी सच्चाई और तथ्यों की जानकारी मिलने के बाद जिला संगठन उचित कार्रवाई करेगा। अगर महिला के आरोपों में सत्यता पाई जाएगी तो निश्चित रूप से कार्रवाई की जाएगी।

कई लोगों को करोड़ों का चूना लगाकर भागी चिट फंड कंपनी, रकम दोगुना करने का दिया था झांसा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नई दिल्ली के आजादपुर में एक चिट फंड कपंनी ने कई लोगों को चूना लगाया है। बता दें कि यह कंपनी गरीबों के इनवेस्टमेंट कराती थी और जैसे ही अवधि पूरी होती वैसे ही ब्याज समेत गरीबों को उनका पैसा लौटा देती थी। यह सिलसिला करीब 25 सालों तक चला। गरीबों का भरोसा जीतने के बाद कई लोगों ने इस कंपनी में अपने जीवन भर की कमाई इनवेस्ट की। जानकारी के लिए बता दें कि, रकम दोगुना करने का झासा देकर कंपनी कई लोगों का पैसा लेकर भाग चुकी है और ऑफिस पर ताला लटका दिया है। कई लोगों को शिकायतों के बाद पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चाय की दुकान चला रहे शख्स की पत्नी प्रेमवती ने बताया कि आजादपुर के निकिता टावर पर एक कमर्शल कॉम्पलेक्स में वसुंधरा ग्रुप नाम का ऑफिस है। वहां से कपंनी का एक प्रतिनिधि हर दिन उनसे 10 रुपये ले जाती और 100 दिन पूरे होने के बाद उन्हे 100 रूपये लौटा देती थी। निवेशकों का भरोसा बढ़ने से कंपनी को काफी फायदा हो रहा था। कपंनी ने एक स्कीम शुरू की और कहा कि, 4 सालों के अंदर रकम दोगुनी होगी। रकम दोगुनी का झासा देने के चक्कर में कई लोगों ने अपनी मेहनत की कमाई कंपनी में डिपॉजिट का दी। बता दें कि इस कंपनी में कई दिनों से ताला लगा हुआ था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच हाथापाई के बाद सब्जी विक्रेताओं को हिरासत में ले लिया।

क्रांति समय दैनिक समाचार

सुरत, मनपा के दबाण विभाग से अधिकारी/कमर्चारी के रोड उपर हुए दबाण ही क्यों दिखाई दे रहे हैं, और अवैध चल रहे

कार्यकर विभाग क्यों नही कोई कार्यवाही करता यह सवाल आजजनता में हैं

निगम द्वारा दबाव राहत अभियान के तहत भातर क्षेत्र के उमा भवन में सब्जी व प्रेशर शिफ्टिंग अभियान शुरू किया गया. इस बीच, दबाव विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया क्योंकि लॉरी मालिक सब्जी लॉरियों से परेशान थे। इसके बाद दबाव विभाग के कर्मचारियों और सब्जी व्यापारियों के बीच हाथापाई हो गई।

नगर के उमा भवन में सड़क पर सब्जी विक्रेता हमेशा निगम के डी-एस्केलेशन ऑपरेशन को देखते हैं. दबाव कम करने के लिए आज निगम की टीम वहां गई थी। सब्जी विक्रेता अपनी लॉरियों में भागते देखे गए। कुछ सब्जी लॉरियों को निगम के कर्मचारियों ने पलट दिया. सब्जी विक्रेता और कर्मचारियों के बीच मारपीट हो गई। निगम द्वारा स्थानीय थाने को सूचना दिए जाने के बाद पुलिस वैन में सवार सब्जी विक्रेता को हिरासत में ले लिया गया.

सूरत मसाज सेंटर से 4 युवतियों को छोड़ा गया, महिला संचालिका समेत 2 गिरफ्तार

क्रांति समय दैनिक समाचार

सूरत,मानव विरोधी ट्रैफिक सेल की टीम ने थाई मसाज सेंटर के नाम पर सूरत के उधना इलाके में नाथू टावर पर छापा मारा। गुरुवार की देर शाम एक महिला समेत दो अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया.

मानव विरोधी यातायात प्रकोष्ठ के इंस्पेक्टर जीए ने कहा कि लड़कियों के ठिकाने की जांच शुरू कर दी गई है । उधना ग्लोरियस स्पैनियार्ड पर अपनी महिला मैनेजर अनीता शिदे लालनाओ के साथ कथित तौर पर यौन संबंध बनाने के आरोप में मुकदमा चलाया गया है। पुलिस ने यहां से चार गिरफ्तार किया है. इतना ही नहीं युवतियों को देह व्यापार के लिए कहां लाया जा रहा है, इसकी जांच शुरूकर दी गई है। वेश्यावृत्ति के लिए एक दुकान किराए पर लेने वाली दुकान के

छापेमारी में चार युवतियों को देह व्यापार करते हुए पाया गया और उन्हें छोड़ दिया गया और जीवनज्योत के सामने नाथू टावर स्थित स्पा में गुरुवार शाम छापेमारी की गयी. युवतियों को रिहा कर नवसारी विजालपुर की अनीता शिंदे और प्रवीण राजू पाटिल को मालिक वंदनाबेन बाबू बागुल को वांछित घोषित किया गया है।

राजकोट में आरके ग्रुप के सिंगल बैंक लॉकर से मिले ३ करोड़ रुपए इनकम टैक्स

राजकोट में आयकर विभाग ने आरके ग्रुप के 25 सीलबंद बैंक लॉकर खोलने शुरू किए

क्रांति समय दैनिक समाचार

राजकोट,शहर के एक बड़े रियल एस्टेट समूह आरके बिल्डर ग्रुप पर आयकर विभाग का मेगा छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी के दौरान आरके ग्रुप के 25 बैंक लॉकर सील किए गए। 150 फुट रिंग रोड पर सहकारी बैंक की शाखा का एक लॉकर खोलकर तीन करोड़ रुपये बरामद किए गए हैं। पूरा लॉकर नकदी से भरा था

सूत्रों ने कहा कि लॉकर से नकदी के अलावा कुछ भी नहीं मिला, उन्होंने कहा कि आरके समूह के सोनवानी परिवार से संबंधित एक बैंक लॉकर को शहर के 150 फुट रिंग रोड पर एक प्रसिद्ध सहकारी बैंक में सील कर दिया गया था। जब आयकर विभाग ने इसे जांच के तहत खोला तो अनुमानित रूप से ३ करोड़ रुपये नकद मिले। हालांकि, नकदी के अलावा कुछ नहीं मिला। लॉकर में सिर्फ कैश भरा हुआ पाया गया है। आयकर विभाग ने नकदी को जब्त कर लिया है ताकि यह पता लगाया जा सके कि कहीं इसका कोई हिसाब तो नहीं है। आरके ग्रुप के 40ठिकानों पर छापेमारी 40 जगहों पर छापेमारी के दौरान आयकर विभाग ने 6.40 करोड़ रुपये जब्त किए थे. इसमें 3 करोड़ रुपये और जोड़े गए हैं। आयकर विभाग द्वारा 25 बैंक लॉकरों को सील कर दिया गया था और आयकर विभाग को नकदी, आभूषण और गैर-लेखा लेनदेन दिखाने वाले दस्तावेज मिलने की आशंका थी। एक लॉकर से तीन करोड़ रुपये नकद मिलने से आयकर अधिकारी भी हैरान रह गए। आयकर विभाग के सूत्रों ने पहले बताया था कि छापेमारी के दौरान सील किए गए 25 बैंक लॉकर एक साथ खोले जाएंगे और इसमें बेहिसाब धन या संदिग्ध दस्तावेजों से लेकर आभूषण हो सकते हैं।

छापेमारी के दौरान 6.40 करोड़ रुपये की नकदी बरामद की गई।चार दिनों से अधिक समय तक चली छापेमारी के दौरान कुल 6.40 करोड़ रुपये नकद, 1.80 करोड़ रुपये के आभूषण और थोक दस्तावेज जब्त किए गए। प्रारंभिक जांच में 300 करोड़ रुपये से अधिक की कर चोरी का खुलासा हुआ है। 350 करोड़ नकद लेनदेन का खुलासा किया गया। एक मामले में, 154 करोड़ रुपये की भूमि खरीद में 144 करोड़ रुपये का नकद लेनदेन किया गया था। अधिकारी भी हैरान रह गए और बताया कि गहन जांच चल रही है। आयकर विभाग द्वारा छापेमारी की पूरी कार्रवाई को ऑपरेशन के समय से ही बेहद शांत रखा गया है.

आरके ग्रुप का नाम बिल्डर लाइन में बिग राजकोट में आरके बिल्डर के नाम के शीर्ष समूह में गिना जाता है और कई छोटे और बड़े बिल्डर्स उनके साथ जुड़े थे। व्यावसायिक लेन-देन होने के कारण पूछताछ की भी झड़ी लग गई। त्योहारों से ठीक पहले, कई बिल्डरों ने अपने कार्यालयों को बंद कर दिया और उड़ान भरी। ऐसे संकेत हैं कि संदिग्ध लेनदेन में कनेक्शन वाले बिल्डरों को समन जारी किया जाएगा।

150 फीट रिंग रोड पर खुला सहकारी बैंक शाखा का लॉकर, पूरा लॉकर केवल कैश से भरा था

महिला सुरक्षा के लिए सरकार को करोडों का नुकसान मंजूर : उप मुख्यमंत्री

क्रांति समय दैनिक समाचार

अहमदाबाद,उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल का कहना है कि राज्य में महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार करोड़ों रुए का नुकसान मंजूर है। उन्होंने कहा कि गुजरात की महिलाएं सुरक्षा का अहसास करें, इसके लिए राज्य में शराबबंदी जरूरी है। शराबबंदी की वजह से गुजरात सरकार को करोड़ों रुए का आर्थिक नुकसान हो रहा है। लेकिन महिलाओं की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार यह नुकसान उठाने को तैयार है। नितिन पटेल ने कहा कि त्यौहारों में बहन-बेटियां बाहर निकलें और सुरक्षित महसूस करें, इसके लिए शराबबंदी आवश्यक है।

राज्य के किसी भी इलाके में शराब पकड़ी जाती है तो उस क्षेत्र के पुलिस अधिकारी को बदल दिया जाता है। दरअसल उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल केन्द्रीय शहरी विकास राज्य मंत्री कौशल किशोर के उस बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि नशामुक्ति कि लिए कड़े कानून या शराबबंदी नहीं बल्कि लोगों को जागरूक करना जरूरी है।

एक साल में डीजल कीमत 35 रुपए बढ़ने से मछुआरों पर दो हजार करोड़ का बोझ : मोढवाडिया

क्रांति समय दैनिक समाचार

अहमदाबाद,गुजरात कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अर्जुन मोढवाडिया का कहना है कि एक साल में प्रति लीटर डीजल रु 35 महंगा होने से राज्य के मछुआरों पर रु 2000 करोड़ का बोझ पड़ा है। एक ओर डीजल महंगा हो गया और दूसरी ओर भाजपा सरकार ने मछुआरों की सहायता की सभी योजनाएं बंद कर मत्स्योद्योग को बड़ा झटका दिया है। पिछले एक साल में प्रति लीटरडीजल में 35 रुपए की वृद्धि हुई है। 1 छोटी फिशिंग बोट में एक सीजन में कम से कम 3500 लीटर पेट्रोल/केरोसिन और बड़ी बोट में 36000 लीटर डीजल की खपत होती है। गुजरात में 25000 से ज्यादा छोटी-बड़ी फिशिंग बोट कार्यरत है और एक सीजन में 54 करोड़ लीटर डीजल की खपत है। डीजल महंगा होने से मछुआरों पर रु 2000 करोड़ का बोझ पड़ा है। उन्होंने कहा कि डीजल महंगा होने से एक बोट पर एक राउंड के लिए करीब चार लाख रुए खर्च होते हैं, जो पिछले साल के मुकाबले दोगुना है। जबकि समुद्री उत्पादन की कीमत में कोई वृद्धि नहीं हुई। जिसकी वजह से मछुआरों पर बड़ा आर्थिक बोझ पड़ा है। सरकार की उपेक्षा के कारण मछुआरे अपना मच्छीमारी का व्यवसाय छोड़ने को मजबूर हैं। इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि जारी वर्ष में गुजरात से केवल 2.79 मिलियन टन ही समुद्री उत्पादनों का निर्यात किया गया है, जो पिछले तीन साल में सबसे कम है। मोढवाडिया ने कहा कि मौजूदा भाजपा सरकार की नीति के कारण खासकर छोटे मछुआरों की कमर टूट गई है। भाजपा सरकार ने मछुआरों को दिए जाने वाले लाभ भी बंद कर दिए हैं।

कांग्रेस सरकार के दौरान मछुआरों को रु 2 से रु 18 तक प्रति लीटर केरोसिन दिया जाता था

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141180

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com